दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

बलरामपुर
गुरुवार, 12 मार्च 2026
वर्ष: 05 अंक : 158 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे मंडे भी ...8

ओमान में ईरान ने मचाया कोहराम

धधकने लगा लाखों लीटर कच्चा तेल

ओमान के सलालाह बंदरगाह में तेल भंडारण सुविधाओं पर ड्रोन से हमले हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे सफलतापूर्वक रोककर मार गिराया गया, जबकि अन्य ड्रोन बंदरगाह परिसर के भीतर ईंधन टैंकों से टकरा गए। अधिकारियों तरह से ठप्प हो गए हैं, जो क्षेत्रीय ईंधन वितरण और समुद्री माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

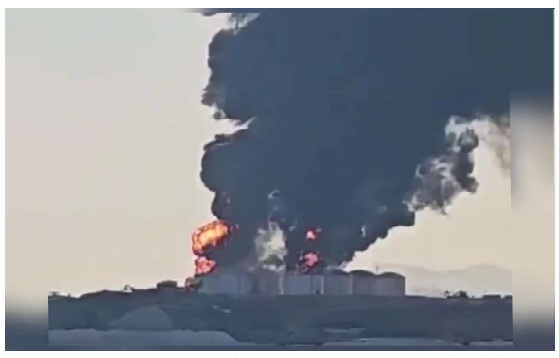

तेहरान खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन और भंडारण स्थलों को निशाना बनाने की एक सुसंगत रणनीति अपनाए हुए है। ये जवाबी हमले ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु के बाद 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई अभियान की सीधी प्रतिक्रिया हैं। अरब सागर पर स्थित भीषण आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल द्वारा देश पर किए जा रहे लगातार हमलों के जवाब में, खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन और भंडारण स्थलों को निशाना बनाना जारी रखे हुए है।

ओमान न्यूज एजेंसी ने सरकारी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि कई ड्रोनों को ने पुष्टि की कि हमले में कोई सलालाह बंदरगाह, अब अवरुद्ध जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, होर्मुज जलडमरूमध्य के एक हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों ने बंदरगाह महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में के दक्षिणी हिस्से से धुएं के घने कार्य कर रहा था। विश्लेषकों गुबार उठते देखे जाने की सूचना का मानना छहै कि ऐसे बंदरगाहों दी।निजी समुद्री सुरक्षा फर्म को निशाना बनाने का उद्देश्य वैनगार्ड टेक ने बताया कि वैश्विक ऊर्जा संकट को बढ़ाना हड़ताल के बाद बंदरगाह पर और पश्चिमी देशों के सहयोगी परिचालन निलंबित कर दिया देशों पर आर्थिक दबाव डालकर गया है। इस निलंबन से सामान्य उन्हें अपना आक्रमण रोकने के माल और तरल टर्मिनल पूरी लिए मजबूर करना है।

यूपी में एलपीजी सिलेंडर पर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अल्टीमेटम– होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि उत्तर प्रदेश में तेल या गैस की कमी के बारे में अफवाहें फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य भर के सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी करते हुए उन्हें सतर्क रहने और गलत सूचनाओं के कारण जनता में दहशत न फैलने देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश देते हुए कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अफवाहें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, भ्रामक जानकारी फैलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की निगरानी तेज कर दी गई है। सभी जिलों में पुलिस टीमों को पेट्रोल पंपों के आसपास कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है ताकि जमाखोरी और अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। साथ ही, जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को गैस एजेंसियों और दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। राज्य सरकार की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। इस संकट ने भारत की लगभग 30 प्रतिशत गैस आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसके चलते केंद्र सरकार को आपातकालीन उपाय करने पड़े हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि उपलब्ध गैस को गैर–प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से आवश्यक उपयोगकर्ताओं की ओर मोड़ा जाए। भारत वर्तमान में अपनी दैनिक प्राकृतिक गैस की मांग (191 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन) का लगभग आधा हिस्सा आयात से पूरा करता है। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकरों की आवाजाही बाधित होने के कारण मध्य पूर्व से लगभग 60 मिलियन घन मीटर प्रतिदिन गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है।

मध्य पूर्व संकट पर बोले पीएम मोदी

हमारे लोगों की रक्षा कर रहे खाड़ी देश, लेकिन कांग्रेस...

एर्नाकुलम। नरेंद्र मोदी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर एक गंभीर वैश्विक संकट का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी भड़काऊ और गैर–जिम्मेदाराना बयान दे रही है जिससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों की स्थिति और बिगड़ सकती है। केरल के एर्नाकुलम में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में भारत के मिशन और दूतावास नागरिकों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान कर रहे हैं और क्षेत्र की मित्र सरकारें भारतीयों का ख्याल रख रही हैं।

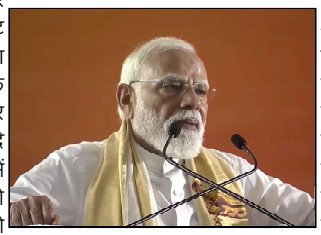

मोदी ने कहा कि संकट के दौरान कांग्रेस का राजनीतिक लाभ उठाना एक घोर दुर्भाग्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी जानबूझकर तनाव बढ़ाने वाले बयान दे रही है ताकि भारतीय इस स्थिति में फंसे रहें और उनके खिलाफ राजनीतिक अभियान शुरू किए जा सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैरजिम्मेदाराना बयान दे रही है ताकि स्थिति और बिगड़ जाए। इससे हमारे लोग इस संकट में फंसे रहेंगे, और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाली रीलें बनाने का अभियान शुरू कर सकेंगे। प्रधानमंत्री ने केरल के एर्नाकुलम में कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि इन पहलों से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और केरल के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए पेट्रोलियम क्षेत्र का विस्तार अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखी गई है। मोदी ने कहा कि आधुनिक अवसंरचना में भारत के व्यापक निवेश के लिए वैश्विक स्तर पर प्रशंसा मिल रही है।

दोबारा न पैदा हो छांगुर जैसा व्यक्ति बलरामपुर में सीएम योगी की पुलिस–प्रशासन को दो टूक

बलरामपुर। जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक हिदायत दी कि छांगुर जैसा व्यक्ति कहीं भी दोबारा न पनपे। उन्होंने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमा पर साशस्त्र सीमा बल और पुलिस संयुक्त निगरानी करें। नवधनाड्यों की संपत्ति की जांच कराई जाए। ग्राम चौकीदारों को सक्रिय किया जाए ताकि सीमा से सटे अथवा जिले में कहीं की भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल मिले।

एलपीजी संकट से राहत: घबराहट में बुकिंग ना करें, दो दिन में घर पहुंचेगा सिलेंडर, सरकार ने सब किया क्लियर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिम का असर गहरा होता जा रहा है। सरकार की तरफ से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि भारत में रसोई गैस समेत किसी भी पेट्रोलियम उत्पादों की कमी नहीं होने जा रही, लेकिन देश के कई हिस्सों में एलपीजी एजेंसियों के सामने ग्राहकों की भीड़ बढ़ रही है। देश कई प्रमुख शहरों के होटलों–रेस्तरां और गैस की खपत करने वाले उद्योगों की तरफ से गैस की किल्लत की बातें कही गई हैं। केंद्र सरकार की तरफ से वैश्विक आपूर्ति को सुचारू रखने की कोशिश जारी है और साथ ही घरेलू स्तर पर एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है।

एलपीजी को लेकर राहत की खबर : पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि देश की कुछ रिफाइनरियां अपनी क्षमता से ज्यादा उत्पादन कर रही हैं और एलपीजी उत्पादन तो पिछले कुछ दिनों में 25 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

क्या हटेंगे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार?

संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक गुरुवार को संसद में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकता है। सूत्रों ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। यह अपनी तरह का पहला कदम है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में प्रस्ताव पेश करने पर विचार कर रहा है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि प्रस्ताव एक सदन में पेश किया जाएगा या दोनों सदनों में। इस मामले पर आज शाम तक फैसला होने की उम्मीद है, जिसके बाद गुरुवार को औपचारिक रूप से

नोटिस दाखिल किया जाएगा। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता, जो नोटिस तैयार करने में शामिल थे, ने कहा कि यह कदम विपक्षी दलों के विचारधारा वाले दलों का सामूहिक प्रयास है। दोनों सदनों में इसका क्रियान्वयन भी पूर्ण सहयोगात्मक होगा। नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद की गरिमा को पूरी तरह से ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस सूत्रों ने पुष्टि की कि पार्टी इस नोटिस का समर्थन करेगी। इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियां भी इसके पक्ष में हैं, और यह मसौदा कई विपक्षी समूहों द्वारा सामूहिक रूप से तैयार किया गया है। अब विपक्षी सांसद दोनों सदनों के सदस्यों से प्रस्ताव पेश करने के लिए हस्ताक्षर एकत्र करना शुरू करेंगे।

जगन रेड्डी का टीडीपी सरकार पर बड़ा हमला

बोले:चंद्रबाबू नायडू ने सरकारी खजाना खाली कर दिया

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि चंद्रबाबू नायडू सरकार द्वारा पेश किया गया बजट भ्रामक आंकड़ों और झूठे दावों से भरा है। जगन ने कहा कि चंद्रबाबू के सत्ता में आने के बाद से राज्य का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। हमारे पांच साल के शासनकाल में कुल कर्ज लगभग 33 लाख करोड़ रुपये था। लेकिन चंद्रबाबू के शासन के सिर्फ दो वर्षों में ही कर्ज 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जगन ने कहा कि जब भी चंद्रबाबू सत्ता में आते हैं, राजस्व घट जाता है और कर्ज बढ़ जाता है। इसका कारण स्पष्ट है – व्यापक भ्रष्टाचार और संसाधनों का बड़े पैमाने पर

दुरुपयोग। सरकारी जमीनें निजी रियल एस्टेट कंपनियों को कौड़ियों के भाव में सौंपी जा रही हैं। विशाखापत्तनम में हजारों करोड़ रुपये की जमीनें रिश्तेदारों और सहयोगियों को आवंटित की जा रही हैं। जगन रेड्डी ने टीडीपी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार खजाने में न्यूनतम शेष राशि भी नहीं रख पा रही है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा सत्र जनता की समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय नाटक, नुक्कड़ नाटक और आत्म–प्रशंसा में सिमट गए। हमने सुपर सिक्स योजनाओं के वादों के बारे में सवाल पूछे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। महिलाओं से किए गए वादों का क्या हुआ? गरीबों के लिए आवास का क्या हुआ? पिछले दो वर्षों में क्या उन्होंने गरीबों को एक भी जमीन दी है या एक भी घर बनाया है?उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

पीएम मोदी की रैली से पहले गोयल का बड़ा दावा, तमिलनाडु में बदलाव के लिए एनडीए को चुनेगी जनता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए का सीट बंटवारा समझौता सौहार्दपूर्ण तरीके से अंतिम रूप दिया जाएगा। चुनाव में एनडीए की जीत का विश्वास जताते हुए भाजपा नेता पीयूष गोयल ने कहा कि एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाएगा। आज तिरुचिरापल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से पहले एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इन चीजों (सीट बंटवारे) पर आपस में चर्चा करते हैं और जब हम इसे अंतिम रूप दे देंगे, तो हम प्रेस को सूचित करेंगे। इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से अंतिम रूप दिया जाएगा। डीएमके की आलोचना करते हुए और तमिलनाडु में बदलाव का आह्वान करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनडीए गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी का विशाल जनसभा में स्वागत करने के लिए बेहद उत्साहित है। तमिलनाडु बदलाव और सुशासन चाहता है। वे स्टालिन सरकार के भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहते हैं।

एलपीजी की किल्लत पर भड़के संजय राउत, पीएम मोदी को याद दिलाया नाले से गैस वाला बयान

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश भर में एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि सरकार के आश्वासन झूठे साबित हुए हैं। राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने एलपीजी और ईंधन की कमी के कारण रेस्तरां और अन्य उद्योगों के कथित तौर पर बंद होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश में इस समय सबसे बड़ा मुद्दा अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष से उत्पन्न स्थिति है। व्यावसायिक और घरेलू गैस की कमी है। जब संघर्ष शुरू हुआ, तब मोदी सरकार ने कहा था कि भारत पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री के आश्वासन

विफल रहे हैं। मुंबई और अन्य शहरों में रेस्तरां बंद हो रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि वाहन क्षेत्र में भी खतरा मंडरा रहा है। मोरबी में टाइल उत्पादन बंद हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समर्थक इस मुद्दे पर कुछ नहीं कह रहे हैं। पीएम मोदी एक वैज्ञानिक हैं, और कुछ साल पहले उन्होंने नाले से गैस बनाने का प्रयोग किया था। उन्हें मुंबई में भी ऐसा ही एक संयंत्र शुरू करना चाहिए। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच एलपीजी की कमी हो गई है। इसके जवाब में, केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है, जिसके तहत घरों, अस्पतालों और आवश्यक सेवाओं के लिए अधिक आवंटन किया गया है, जबकि कई क्षेत्रों में वाणिज्यिक वितरण प्रतिबंधित कर दिया गया है। सरकार ने घरेलू एलपीजी रिफिल के लिए 25 दिन की नई बुकिंग अवधि अनिवार्य कर दी है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों का अनुमान लगाने में विफल रही। सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद वी. शिवदासन ने आरोप लगाया कि पार्टी इस मुद्दे को संसद में उठाएगी।

हरिद्वार कुंभ 2027 के लिए धामी सरकार का मेगा प्लान, 1000 करोड़ का बजट आवंटित

हरिद्वार। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य के धार्मिक इतिहास को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से उत्तराखंड सरकार ने हाल ही में प्रस्तुत बजट में हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार कि गंगा, यमुना, चार धाम, आदि कैलाश और कई पूजनीय शक्ति पीठों की पवित्र भूमि उत्तराखंड, विश्व भर में सनातन अनुयायियों के लिए आस्था का केंद्र रहा है।

इस संदर्भ में, राज्य सरकार उत्तराखंड को धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन एवं तीर्थयात्रा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है, जिससे राज्य की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आराध कुंभ मेला 2027 में हरिद्वार में आयोजित होगा। बयान में आगे कहा गया है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड की देवभूमि की आध्यात्मिक भावना को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 2026–27 के बजट में हरिद्वार कुंभ मेला, हरिद्वार–ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, नंदा देवी राज जाट और सरयू नदी तट परियोजना सहित कई परियोजनाओं के लिए धनराशि आवंटित की है। चल रही बद्रीनाथ–केदारनाथ पुनर्निर्माण परियोजना के साथ–साथ, सरकार ने मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत 48 मंदिरों के आसपास बुनियादी ढांचा विकास कार्य शुरू कर दिए हैं। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, राज्य सरकार ने 2026–27 के बजट में इसी तरह की कई पहलों के लिए धनराशि आवंटित की है।

हमें बोलने से रोका जाता है, संसद में गरजे राहुल

पीएम मोदी पर लगाए गंभीर आरोप, बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली। संसद में बोलते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अध्यक्ष की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया गया है और मेरे बारे में बेबुनियाद बातें कही गई हैं। यह सदन भारत की जनता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो हमें बोलने से रोक दिया जाता

है। पिछली बार जब मैंने बोला था, तो मैंने हमारे प्रधानमंत्री द्वारा किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे कई बार बोलने से रोका गया है। भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया। हमारे प्रधानमंत्री की छवि खराब हो चुकी है, और यह बात सभी जानते हैं। गांधी की टिप्पणी का जवाब देते हुए भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने आरोप को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री का बचाव किया। सदन में अपने जवाब के दौरान प्रसाद ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता को याद दिलाना चाहता हूं कि भारत के प्रधानमंत्री से कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

फसल पर मंडरा रहा बिजली संकट, 300 बीघा गेहूं खतरे में

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेहड़ा कला के राजस्व गांव गुलरहिया में इन दिनों बिजली की बड़ी समस्या किसानों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। गांव के करीब 300 बीघा खेतों में खड़ी गेहूं की फसल पर बिजली का भयानक संकट मंडरा रहा है, जिससे किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। मीडिया टीम द्वारा ग्राउंड जीरो पर की गई पड़ताल में ग्रामीणों ने बताया कि लगभग एक वर्ष से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन के पोल पर तीनों फेस के तार आपस में सटे हुए हैं। जब भी कोई पक्षी इन तारों पर बैठता है तो शॉर्ट सर्किट हो जाता है, जिससे कई बार पक्षी जलकर

मर जाते हैं और बिजली की चिंगारी नीचे खेतों में गिरती है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल पूरी तरह तैयार है। ऐसे में किसानों को आशंका है कि यदि तारों से निकली चिंगारी फसल पर गिर गई तो बड़ी आग लग सकती है, जिससे सैकड़ों बीघा फसल जलकर राख हो सकती है। इसी डर के कारण किसानों में लगातार भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। गांव के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि तपानाथ पांडेय, रितभान चौधरी, महगी लाल यादव, राम उजागिर यादव, मो. इस्लाम, सतिराम यादव, तपसी चौधरी, सत्येंद्र कुमार, संदीप पांडेय, गोलू यादव, शिवम चौधरी, लालचंद चौधरी, रविंद्र चौधरी, सुमिरन चौधरी, राज कुमार यादव, संतलाल यादव, राम अजोर यादव, आनंद पांडेय, कृष्णमणि पांडेय, राजेंद्र चौबे और हरिश्चन्द्र पांडेय सहित कई ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ और किसी प्रकार की घटना घटती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी रुधौली विद्युत उपकेंद्र के जेई, एसडीओ और एक्सईएन की होगी। वहीं इस संबंध में जब मीडिया ने एक्सईएन से बात की तो उन्होंने बताया कि मामला अभी उनके संज्ञान में आया है और जल्द ही मौके पर टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार व स्वच्छता अनिवार्य–डॉ प्रियंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डॉ राम मनोहर लोहिया पीजी कालेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के तीसरे दिन संयुक्त इकाई के अंतर्गत डॉ. राम मनोहर लोहिया इकाई एवं स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. पवन कुमार पांडेय एवं डॉ. संतोष कुमार पांडेय के नेतृत्व में स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के कक्षों एवं प्रयोगशाला कक्षों की साफ–सफाई कर परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में

स्वास्थ्य संबंधी गोष्ठी आयोजित की गई।जिसमें सीएससी इटवा के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के चिकित्सक डॉ. अजीत कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. प्रियंका द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय मे बिस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है । स्वस्थ रहने पर ही हम अपनी पढ़ाई ठीक से कर पाएंगे।इस दौरान विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रश्न का उत्तर चिकित्सकों द्वारा दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का तीसरा दिन स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामूहिक सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने के साथ संपन्न हुआ।शाम की बेला में स्वयं सेवकों द्वारा सांस्तिक कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें ममता, परवेज, इंद्रवती, महक, प्रिया, अंजनी, प्रशांत, संदीप, अमन, रोहित सुभाशु आदि ने अपनी प्रस्तुति दी।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रवक्ता गण डॉ0 आजम खान, डॉ नूरुल हसन,डॉ प्रमोद त्रिपाठी, विजेंद्र, आदित्य, अमित, राम कुमार, बृजेश सहित तमाम स्टाफ के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार पाण्डेय तथा डॉ पवन पांडेय ने कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों का आभार जताया।

दरोगा भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम–एसपी ने परीक्षा केंद्र का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाली उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस) एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा–2025 को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने बुद्ध विद्या पीठ डिग्री कॉलेज का औचक निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।बता दें कि आगामी 14 एवं 15 मार्च 2026 को होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए सिद्धार्थनगर में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने बुद्ध विद्या पीठ डिग्री कॉलेज में बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, शौचालय और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्र के सभी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहें और उनकी सतत निगरानी की जाए।परीक्षा की गोपनीयता और मर्यादा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होगा।अभ्यर्थियों के लिए मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल और प्रवेश द्वार पर सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की कड़ी तलाशी ली जाए ताकि कोई भी अनुचित सामग्री अंदर न जा सके। उन्होंने परीक्षा के दौरान शहर में यातायात प्रबंधन और केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग लगाने के भी निर्देश दिए।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कहा कि परीक्षा का सफल संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्वाभ्यास करने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की हिदायत दी।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञान प्रकाश, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार सहित प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

बैंकिंग कार्यों की समीक्षा में सीडीओ सख्त, ऋण वितरण में देरी पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान सीडीओ ने सरकारी योजनाओं के तहत ऋण वितरण की धीमी प्रगति और स्वयं सहायता समूहों के लंबित मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए बैंक प्रबंधकों को फटकार लगाई।मुख्य विकास अधिकारी ने श्मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनाश और श्मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजनाश की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि व्यापारियों और युवाओं के आवेदनों को प्राथमिकता पर स्वी.त किया जाए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूरा करने के लिए तहसीलवार मेगा क्रेडिट कैंप लगाने के निर्देश दिए।लंबित सीसीएल फाइलों पर नाराजगीस्वयं सहायता समूहों के बैक खाते खोलने और सीसीएल की कम स्वीकृति पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बैंक प्रबंधकों को अल्टीमेटम देते हुए कहा किरूविभाग से समन्वय बनाकर लंबित पत्रावलियों को एक माह के भीतर निस्तारित करें।किसी भी पात्र लाभार्थी को ऋण के लिए अनावश्यक परेशान न किया जाए।सीडी रेशियो को 44.03: से बढ़ाकर 50: से ऊपर ले जाने के लिए कार्ययोजना बनाएं।केसीसी और फसल बीमा की स्थितिबैठक में जानकारी दी गई कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत जनपद ने 96. 61: लक्ष्य हासिल कर लिया है। सीडीओ ने पशुपालन, मत्स्य पालन और दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में भी केसीसी लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को कैंप लगाकर किसानों को जागरूक करने को कहा।मुख्य विकास अधिकारी ने लीड बैंक अधिकारी को निर्देशित किया कि सीएफएल/एफएलसी के माध्यम से गांवों में कैंप लगाए जाएं। इन कैंपों में ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के साथ–साथ वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया जाए।इस महत्वपूर्ण बैठक में उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार वर्मा, लीड बैंक अधिकारी आर. के. सिन्हा, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गंगाधर दूबे, परियोजना अधिकारी डूडा नीरज अग्रवाल सहित समस्त बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने जागरूकता फैलाने हेतु गोलघर पर नशा मुक्ति विषयक नुक्कड़ नाटक किया प्रस्तुत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानन्द एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाई के 07 दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन का आयोजन उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। दिन की शुरुआत स्वयंसेवकों द्वारा शिविर परिसर की साफ–सफाई एवं व्यायाम से हुई। इसके पश्चात नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ छात्र–छात्राओं ने शिविर स्थल से गांधीनगर वार्ड नं0–10 एवं शिवनगर वार्ड नं0–09 होते हुए गोलघर शोहरतगढ़ तक जन जागरूकता रैली निकाली और मार्ग में स्वच्छता अभियान भी चलाया। नगरवासियों के बीच जागरूकता फैलाने हेतु गोलघर पर नशा मुक्ति विषयक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें ग्रुप लीडर अमृता, उप–लीडर जानवी सिंह, रीना प्रजापति, ज्ञानमती, शिवांगी, चन्द्र कुमार, महेश प्रजापति सहित अनेक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस नाटक को नगरवासियों ने सराहते हुए युवाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। दोपहर बाद आयोजित बौद्धिक सत्र में नशा मुक्त भारत एवं सामाजिक चेतना का सशक्तिकरण विषय पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्र–छात्राओं को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। नशा जैसी कुरीतियाँ सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए घातक हैं, अतः युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर समाज को जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है जब युवा पीढ़ी नशा मुक्त जीवन का संकल्प ले। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का सशक्तिकरण भी है। अन्त में उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे अपने प्रयासों से गांव में जनजागरण अभियान चलाएं और राष्ट्र को सशक्त बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम की अगली कड़ी में नशा मुक्ति और युवा विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें दोनों इकाइयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजेताओं को पुरस्त किया गया। इसके बाद सांस्तिक कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, कविताएं एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियां हुईं। अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत "उठे समाज के लिए उठे–उठे" तथा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिसने पूरे वातावरण को प्रेरणादायी और उत्साहपूर्ण बना दिया। उक्त कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ए0के0 सिंह एवं डॉ0 राम किशोर सिंह के नेतृत्व में किया गया।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1682 मरीजों को मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1682 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, लाभार्थियों में 735 पुरुष, 689 महिलाएं और 258 बच्चे शामिल रहे। मेलों में आए मरीजों का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। दवा वितरण काउंटर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बघनी का निरीक्षण किया गया।

श्रीराम जन्म की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।जनपद के इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम इमिलिया में समय माता मंदिर पर सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ तथा संगीतमयी श्रीराम कथा में श्रीराम के जन्म की कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए।पूरा पांडाल जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। उक्त जानकारी यज्ञ के मुख्य यजमान एवं प्रधान संघ के इटवा ब्लाक के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि लोककल्याण के लिए ही इस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।इस शतचंडी महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह एवं शाम पूजन तथा आरती व शाम को छह बजे से संगीत मयी श्रीराम कथा अयोध्या धाम के पंडित ओंकार नाथ द्विवेदी राष्ट्रीय कथा व्यास के द्वारा सुनाया जा रहा है।इस अवसर पर चल रहे संगीतमयी श्रीराम कथा में कथा व्यास ने श्रीराम के जन्म की कथा सुनाया।उन्होंने बताया कि अयोध्या के राजा दशरथ का चौथा पन आ गया।लेकिन उन्हें संतान सुख प्रप्त नहीं हुआ।इस पर वे बहुत दुखी हो गए।अपने इस चिंता का समाधान कराने के लिए वे अपने गुरु वशिष्ठ के पास गए।उन्होंने अपने चिंता का कारण गुरु को बताकर इसके समाधान का मार्ग पूछा।इस पर गुरु वशिष्ठ ने राजा दशरथ को श्रृंगी ऋषि के पास जाकर उनसे पुत्रेष्ठ यज्ञ कराने को कहा।राजा ने पुत्रेष्ठ यज्ञ कराया।यज्ञ पूर्ण होने पर ऋषि ने प्रसाद का आधा भाग रानी कौशल्या को तथा आधे भाग को दो बराबर भागों में बांटकर रानी सुमित्रा तथा रानी कैकेई को देने के लिए कहा।प्रसाद खिलाने के तीनों रानियां गर्भवती हो गईं।इसके बाद माता कौशल्या ने श्रीराम तथा सुमित्रा ने लक्ष्मण एवं कैकेई ने भरत और शत्रुघ्न को जन्म दिया।प्रभु श्रीराम का जन्म होते ही अयोध्या में चारो तरफ आनंद छा गया। श्रीराम के जन्म की कथा सुनकर सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए।पूरा पांडाल जय श्रीराम के घोष से गुंजायमान हो उठा।मुख्य यजमान प्रधान संघ अध्यक्ष ने क्षेत्र के लोगों से इसमें भारी संख्या में पहुंचकर अपने जीवन को सार्थक बनाने का अनुरोध किया है।कथा के समय पंडाल में राघवेंद्र सिंह,

गजेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट तहसील अध्यक्ष बार इटवा, सत्येंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ,कैप्टन रमेन्द्र प्रताप सिंह ,समीर विक्रम सिंह ,धीरेंद्र सिंह ,शिव प्रसाद सिंह ,मन बहाल यादव, छोटकन यादव, नारदा हे,प्रजापति सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सूचना

मैं अब्दुल गनी उम्र करीब 72 वर्ष पुत्र मोहरत अली साकिन–केशवार थाना–खेसरहा जिला–सिद्धार्थनगर का रहने वाला हूँ। मेरे पास कुल तीन लड़के है। मेरी पत्नी अभी जीवित है। तीनो लड़को का नाम कमशः सलाहुद्दीन, नसरुद्दीन, तौसीफखान है। परन्तु मेरा बड़ा लड़का सलाहुद्दीन जिसकी शादी खलीकुन्निशा पुत्री दाहू साकिन–सौरहा थाना–बखिरा जिला–संतकबीरनगर के साथ हुई है। मेरा बड़ा लडका एवं उसकी पत्नी का चाल चलन ठीक नहीं है और आये दिन झगड़ा फसाद करते है। और हमेशा धमकी देते है कि मेरे नाम से जायदाद कर दो मैं अपने लड़के एवं पतोहू से काफी पीड़ित हूँ। वह कभी भी मेरे ऊपर कोई भी वारदात कर सकते है। मेरा लडका सलाहुद्दीन एवं उसकी पत्नी खलीकुन्निशा कभी भी मेरी सेवा एवं परवरिश नही करते है। और भरण पोषण हेतु एक भी पैसा मेरा लड़का नही देता है। इसलिए मैं अपनी पूरी चल एवं अचल सम्पत्ति मकान एंव रूपया पैसा आदि से बेदखल करता हूँ। आज की तिथि से मेरे सम्पत्ति में मेरे बड़े सलाहुद्दीन एवं उसकी पत्नी खलीकुन्निशा का कोई हक व अधिकार नही होगा। यदि मेरा लड़का सलाहुद्दीन एवं उसकी पत्नी खलीकन्निशा कोई दावा दस्तूर मेरे विरूद्ध लाते है तो यह गलत माना जावे।

अब्दुल गनी पुत्र मोहरत अली
साकिन–केशवार थाना–खेसरहा
जिला–सिद्धार्थनगर

ग्राम पंचायत औरहावा मे नही रुक कर फर्जी भुगतान होने का सिलसिला

डीएम साहब एक नजर इस ग्राम पंचायत मे

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खन्ड इटवा अंर्तगत ग्राम पंचायत औरहावा मे इन दिनों फर्जी भुगतान का सिलसिला जारी है कभी नाली को लेकर तो कभी साफ सफाई पर कभी कापी किताब रजिस्टर को लेकर साफ सफाई पर देखा जाऐ तो स्वच्छता के नाम पर ग्राम पंचायत मे एक किलो चूना भी नही फेंका गया है। वहां के ग्रामीणो ने पूछे जाने पर बताया कि इस ग्राम पंचायत मे दो टोला और भी है किसी भी टोला में दवा छिड़काव तो दूर की बात है एक किलो चूना तक नही फेंका गया है। वहीं स्टेशनरी के नाम पर भी फर्जी भुगतान करने की खुब व्यवस्था है।जिस पंचायत भवन मे कापी किताब रजिस्टर रखने के लिए भुगतान सचिव व प्रधान मिल कर कर रहे है उस पंचायत भवन मे अन्दर बैठने लायक भी नही है। जिसके नाम पर लगभग दस हजार रूपए भुगतान कर लिया गया और साफ सफाई पर लगभग पचास हजार रुपए का फर्जी भुगतान कर लिया गया। फर्जी भुगतान करने मे सचिव बहुत माहिर है। क्यों कि सचिव साहब फर्जी भुगतान मे बढ़नी ब्लाक मे एक बार निलंबित हो चूके थे और कुछ दिनों तक आराम करने का मौका मिला था फिर किसी तरह कुछ महीने पहले कमान संभाली इटवा ब्लाक मे और धीरे धीरे फर्जी भुगतान करने का सिलसिला किया क्षण जारी। उच्च अधिकारियों की कब पड़ेगी नजर और कब मिलेगा जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ।

रसोई गैस को लेकर फिर एक बार हो रहा हंगामा

होम डिलीवरी बंद होने से जनता परेशान

प्रशासन के दावे फेल, लंबी-लंबी लाइनों से झेल रहे लोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत को लेकर प्रशासन के दावे फेल फिर गुस्सा फटता नजर आ रहे लोग। जगह-जगह गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारे लग रही हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। आरोप है कि इटवा, रगड़गंज, महादेव, घुरहू, बलुआ और बिस्कोहर क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की ब्लैक मार्केटिंग भी खुब दबा कर हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोग अपने गोदामों में सिलेंडर छिपाकर रखे हुए हैं और जरूरतमंदों को 1500 से 2000 रुपये तक में गैस सिलेंडर बेच रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन हकीकत में उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ब्लैक मार्केटिंग करने के लिए होम डिलीवरी को बंद कर दिया जिससे ब्लैक मार्केटिंग मनमानी तरीके से की जा सके ग्रमीणो का कहना की जब प्रशासन दावा कर रही की रसोई गैस की कोई किल्लत नही है तो गैस एजेंसी के लोगो ने होम डिलीवरी क्या नही देते अगर होम डिलीवरी शुरू कर दिया जाऐ तो कोई समस्या नही होगी इस लिए जनता ने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाने की मांग की है।

डा0 नूरजहां ने बढ़नी का नाम किया रोशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। जनपद के कई कद्दावर नेताओं और सिद्धार्थनगर के बढ़नी कस्बे की होनहार बेटी डॉ0 नूरजहां ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से क्षेत्र का मान बढ़ाया है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष (अल्पसंख्यक सभा) शकील शाह की सुपुत्री डॉ0 नूरजहां ने उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित देवबन्द यूनानी मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर (सम्बद्ध चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ) से बीयूएमएस की डिग्री 70 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। आपको बता दें कि डॉ0 नूरजहां की सफलता की कहानी जमीन से जुड़ी हुई है। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय मदरसे से हुई, जिसके बाद उन्होंने गांधी आदर्श इन्टर कॉलेज बढ़नी से इन्टरमीडिएट की परीक्षा पास किया। नेता शकील शाह का हमेशा से यह सपना था कि उनकी बेटी डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करे, जिसे डॉ0 नूरजहां ने अपनी निरन्तर मेहनत से हकीकत में बदल दिया है। इस उपलब्धि के बाद कस्बे में हर्षोल्लास का माहौल है। डॉ0 नूरजहां की सफलता पर प्रदेश भविष्य की कामना की है। वहीं बधाई देने वालों में मुख्य रूप से विपक्षी दल के नेता माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, जिलाध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व विधायक अनिल सिंह, पूर्व विधायक विजय पासवान, यश भारती सम्मानित मणेन्द्र मिश्रा "मशाल" सहित डॉ0 शराफुद्दीन, मो0 जावेद खान, गयासुद्दीन खां, अमित यादव और मौलाना अब्दुल अलीम एवं तमाम शुभचिन्तकों ने डा0 नूरजहां की इस कामयाबी पर बधाई देते हुए जनपद के लिए गौरव का विषय बताया है।

इकाई द्वितीय रानी लक्ष्मी बाई राजा रतन सेन बांसी सिद्धार्थ नगर

दैनिक बुद्ध का संदेश /सुषमा मिश्रा

सिद्धार्थनगर। विशेष शिविर के पाँचवे दिन प्रथम सत्र मे बुद्धवार को रतन सेन डिग्री कालेज के स्वयंसेवको द्वारा जन समुदाय को नशा मुक्ति के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से स्वामी विवेकानन्द इकाई के स्वयंसेवको द्वारा एक रैली निकाली गई रैलीका नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुभीर सिंह ने किया इस अवसर पर पूर्व कार्यक्रम अधिकारी विनोद कुमार, डॉ० राकेश चन्द्र त्रिपाठी, डॉ०विकास सिंह,डॉ० रविरेश सिंहडॉ० मनीष भारती, कंचनयति, सूर्यकान्त त्रिपाठी, प्रवेश दुबे, सपना त्रिपाठी आसुतोष वर्मा, रविन्द्र टंडन, सौरभ प्रताप सिंह ,राजेश सिंह, राजेश शर्मा, आदि उपस्थित थे। द्वितीय सत्र मे स्वयंसेवको को जागरुक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरकता पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमे मुख्या वक्ता डॉ० विकास ने बताया कि हम सभी को संविधान द्वारा प्राप्त मूल अधिकारो को जानना एवं उसका प्रयोग करना होगा तथा हमें जाँति, धर्म , एवं सम्प्रदाय से ऊपर उठकर मतदपगन करना होगा। इसके साथ-साथ आदर्श मतदाता के गुण एवं भूमिका पर व्यापक प्रकाश डाला। प्रवेश दुबे ने मतदाताओ को शिक्षा एवं राजनीति से जुड़ने का संदेश दिया।इस कार्यक्रम का संचालन डॉ० सुभीर सिंह ने किया अतिथियो का सम्मान लक्ष्मीबाई इकाई की कार्यक्रम अधिकारी जबकि आभार ज्ञापन सूर्यकान्त त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर । पूर्व कार्यक्रम अधिकारी विनोद कुमार,डॉ० राकेश चन्द्र त्रिपाठी, डॉ०विकास सिंह,डॉ० रविरेश सिंह डॉ० रंजीता शुक्ला कंचनयति, सूर्यकान्त त्रिपाठी, प्रवेश दुबे, सपना त्रिपाठी आसुतोष वर्मा, रविन्द्र टंडन, सौरभ प्रताप सिंह ,राजेश सिंह, राजेश शर्मा, आदि उपस्थित थे।

निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होगा युवा पत्रकार प्रेस क्लब का चुनाव-कमलेश मिश्रा

युवा पत्रकार प्रेस क्लब पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को मजबूत कर रहा है।

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। युवा पत्रकार प्रेस क्लब शोहरतगढ़ के आगामी चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। चुनाव अधिकारी कमलेश मिश्रा एवं सरताज आलम ने कहा कि प्रेस क्लब का चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से सम्पन्न कराया जायेगा। इसके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकें। कमलेश मिश्रा ने बताया कि प्रेस क्लब के सभी सदस्य पत्रकार लोकतांत्रिक परम्पराओं का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं सरताज आलम ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए निर्धारित नियमों और आचार संहिता का सख्ती से पालन कराया जायेगा। किसी भी प्रकार की चुनाव अधिकारी ने सभी सदस्यों अनियमितता या विवाद की स्थिति में तत्काल उचित कार्रवाई की जायेगी।चुनाव अधिकारी सलमान हिन्दी एवं अब्दुल कुदुदुस ने कहा कि प्रेस क्लब पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो क्षेत्र में पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को मजबूत करने का कार्य करती है। ऐसे में क्लब का चुनाव भी आपसी सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप सम्पन्न होना चाहिए। से अपील करते हुए कहा कि वे चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करें और आपसी भाईचारे व गरिमा को बनाए रखते हुए मतदान में भाग लें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी पत्रकार मिलकर चुनाव को सफल बनाएंगे और प्रेस क्लब को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभायेंगे।

गैस वितरण में पारदर्शिता और सुरक्षा पर डीएम सख्त, दिए विशेष निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में गैस वितरण व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्प जीएन ने कमर कस ली है। बुधवार को कैंप कार्यालय में तेल कंपनियों के आला अधिकारियों के साथ आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने उपभोक्ताओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश जारी किए।बैठक में तेल जगत की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमेंरूसेल्स ऑफिसर आकाश कुशवाहा, प्रतिनिधि एस.के. सोनी,अधिकारी अभिषेक सिंह जिलाधिकारी ने एक नई पहल पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि सभी गैस एजेंसियों पर लाउडस्पीकर लगवाए जाएं। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को निम्नलिखित जानकारियां दी जाएंगीरूगैस रिसाव की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियां। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में गैस वितरण की पूरी प्रक्रिया प्रभावी और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया किरूउपभोक्ताओं की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर और त्वरित गति से हो।एजेंसी पर आने वाले हर व्यक्ति को योजनाओं और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से बताया जाए।बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों और गैस एजेंसी प्रतिनिधियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी।

> जागरूकता बढ़ाने से दुर्घटनाओं की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हर उपभोक्ता को सुरक्षा नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए।
> **– शिवशरणप्प जीएन, जिलाधिकारी**

भ्रष्टाचार का महाकुंड बना तालकुंडा गाँव का पंचायत भवन

पंचायत सचिव व प्रधान की उदासीनता से ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा योजनाओं का लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के विकास खंड बढ़नी क्षेत्र के ग्राम पंचायत तालकुंडा में ग्राम स्वराज का सपना फिलहाल अधूरा नजर आ रहा है। यहां लाखों रुपये की लागत से बना पंचायत भवन बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। पंचायत भवन में ग्रामीणों के लिए जरूरी सुविधाएं नदारद हैं और भवन का उपयोग पंचायत कार्यों के बजाय अन्य कामों में किया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक पंचायत भवन पर कुछ बाहरी मजदूरों ने अपने गैस सिलेंडर, चूल्हा और बर्तन रखकर इसे अस्थायी आवास की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इससे साफ है कि पंचायत भवन का उपयोग पंचायत के कार्यों के लिए नहीं हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव उदय प्रताप गौतम और ग्राम प्रधान गीता की उदासीनता के कारण पंचायत भवन की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। भवन की टाइल्स उखड़ चुकी हैं और कई जगह जर्जर स्थिति बन गई है। पंचायत भवन में सुविधा के नाम पर कंप्यूटर, लैपटॉप, कुर्सी, मेज, इनवर्टर और बैटरी जैसी जरूरी वस्तुएं भी मौजूद नहीं हैं। जबकि यहां पंचायत सहायक सुरेंद्र कुमार निषाद की नियुक्ति की गई है और उन्हें हर माह मानदेय भी दिया जा रहा है। इसके बावजूद पंचायत भवन में कोई व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है।ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पंचायत भवन निर्माण को कागजों में पूर्ण दिखा दिया गया है, लेकिन हकीकत में शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं अधूरी या पूरी तरह से गायब हैं। इससे प्रशासनिक लापरवाही भी उजागर हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से पंचायत भवन की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने और पंचायत भवन को ग्रामीणों के उपयोग के योग्य बनाने की मांग की है।

सदर में चोरों का आतंकः दो दुकानों के ताले तोड़कर चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के मालगोदाम रोड पर सोमवार देर रात चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाते हुए ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार पूरब पड़ाव निवासी राजू गुप्ता की बेकरी की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने करीब दस हजार रुपये नकद, सिगरेट, गुटखा तथा बिस्किट के कई पैकेट चोरी कर लिए। वहीं पास में स्थित एक देसी शराब की दुकान का भी ताला तोड़ा गया। हालांकि वहां से क्या-क्या सामान चोरी हुआ है, इसका स्पष्ट विवरण अभी सामने नहीं आ सका है।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। दुकानदारों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है।इस संबंध में एसएचओ सदर मिथलेश कुमार राय ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

युवा व्यापारी की नृशंस हत्या से आक्रोश, व्यापारियों ने किया जोगिया थाने का घेराव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के थाना जोगिया उदयपुर क्षेत्र अंतर्गत नादेपार चौराहे पर मंगलवार शाम एक 23 वर्षीय युवा व्यापारी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात से जिले के व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। घटना के विरोध में बुधवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौधन के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारियों और ग्रामीणों ने जोगिया थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नादेपार चौराहा निवासी सब्लू कसौधन का 23 वर्षीय पुत्र शिवम कसौधन मंगलवार शाम करीब 6 बजे अपने घर से दुकान का सामान लेने निकला था। इसी बीच पड़ोस में आए प्रिंस वर्मा (निवासी सोनबरसा, थाना मिश्रौलिया) ने घर के सामने ही शिवम पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमलावर ने सीधे गर्दन पर वार किया, जिससे शिवम लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। आसपास के लोगों ने आनन-फानन में घायल शिवम को स्थानीय मेडिकल स्टोर और फिर वहां से जिला अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन घाव इतना गहरा था कि रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता ने महज 10 दिन पहले ही नादेपार चौराहे पर कपड़ों की नई दुकान खोली थी। मुख्य आरोपी हिरासत में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जोगिया उदयपुर थानाध्यक्ष अभय सिंह ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट आने के बाद वैधानिक कार्यवाही तेज की जाएगी। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना में संलिप्त अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वरिष्ठ शिक्षकों से काला कानून टेट वापस हो

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मौर्या लाज में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के के आवाह्न पर 20 से ज्यादा शैक्षिक संगठनों ने एक साथ एक मंच पर ज्वाइंट टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, में आकर पूर्व से कार्यरत शिक्षकों पर टेट अनिवार्यता के विरोध में चल रहे देशव्यापी शिक्षक आंदोलन पर विस्तृत चर्चा की एवं टेट लागू करनेके विरोध में पोस्टकार्ड लिखा गया। प्राथमिक शिक्षक संघ सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष श्री देवेंद्र यादव एवं साथ टीएससीटी के श्री अनिल तिवारी अटेवा के श्री ब्रजेश द्विवेदी विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन के श्री विनयकांत मिश्र के साथ-साथ तमाम संगठनों ने जे टी एफ आई में अपनी विश्वास व्यक्त करते हुए आज महामहिम राष्ट्रपति,माननीय प्रधानमंत्री, माननीय नेता प्रतिपक्ष लोकसभा, माननीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम से पोस्टकार्ड पर लिखकर संबंधित लोगों को भेजा गया । जिलाध्यक्ष देवेंद्र यादव प्राथमिक शिक्षक संघ ने सभी लोगों का आह्वान करते हुए कहा उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रथम चरण के कार्यक्रम में आप सब की महती भूमिका है ५ बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ सिद्धार्थनगर के जनपदीय मंत्री विजयेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रम के रूपरेखा को बताते हुए बताया कि बैठक के दूसरे चरण में 13 अप्रैल को मशाल जुलूस निकाला जाएगा। आंदोलन के तीसरे चरण में 3 मई को जनपद सिद्धार्थनगर के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी गण आंदोलन की महारैली लखनऊ में हिस्सा लेंगे। जिला कोषाध्यक्ष श्री मिर्जा महबूब हसन ने कहा कि सरकार ने सरासर अन्याय किया कि क्योंकि कोई भी नियम पहले से प्रभावी नहीं होता जब शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2011 में आया तो पहले से कार्यरत शिक्षकों पर यह अधिनियम थोपा जाना गलत है ५ बैठक को संबोधित करते हुए टीएससीटी के जिला संयोजक श्री अनिल तिवारी जी ने कहा कि जिसकी नियुक्ति पूर्व शर्तों और नियमों के अधीन हुई है उसको बीच नौकरी में बदला जाना सरासर गलत है इसको हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए अटेवा के जिलाध्यक्ष श्री ब्रजेश द्विवेदी जी ने कहा कि हम सड़क से संसद तक संघर्ष करेंगे परन्तु इस नियम को लागू नहीं होने देंगे। विशिष्ट बीटीसी के जिलाध्यक्ष श्री विनयकांत मिश्र जी ने कहा कि यह नियम की व्यावहारिक नहीं है क्योंकि अध्यापकों से भी बार बार टेट पात्रता परीक्षा पास करवाना यह न्याय संगत नहीं है। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के संरक्षक सतीश चन्द्र त्रिपाठी जी ने कहा कि इस संघर्ष में आप सबका साथ नितांत आवश्यक हैं और आपके सहयोग के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मीडिया प्रभारी श्री वीरेंद्र मौर्या जी ने कहा कि शिक्षक जब जब टकराया सरकारों को अपना निर्णय बदलना पड़ा है। इस तरह ये लड़ाई भी हमलोग जीतेंगे। जिला उपाध्यक्ष श्री इतखारूननिसा जी ने कहा कि हम लड़ेंगे और जीतेंगे क्योंकि हम न्याय के पथ पर हैं। अन्याय के पथ पर नहीं है। बैठक में बांसी के अध्यक्ष श्री नंदीश्वर यादव जी ने कहा हम सरकार को यह नियम बदलने के लिए बाध्य कर देंगे और सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ेगा। बैठक में लोटन अध्यक्ष अनिल मिश्र जी, ब्रजभूषण पांडे , बांसी के साहब मजरूह जी, राजनारायण पांडे,दिनेश मिश्र,गणेश मिश्र,दिवाकर मिश्र,रवि यादव, राधेश्याम वर्मा,वीरेंद्र बहादुर तिवारी सहित तमाम शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

रसोई गैस की किल्लत, जमाखोरी और कालाबाजारी

ई–केवाईसी फजह्र कनेक्शनों को हटाने के लिए सरकार ने बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया है। अब आप डिजिटल बुकिंग ऐप या व्हाट्सएप के जरिए बुकिंग करें ताकि रिकश्र्ड पारदशह्र रहे और डिलीवरी बश्चय अतिरिक्ति पैसे न मांग सके। वजन की जांच सिलेंडर लेते समय डिलीवरी मैन से वजन करने को कहें। कम वजन जमाखोरी और चोरी का संकेत है।सख्त छापेमारीप्रशासन ...

रसोई गैस की जबरदस्त किल्लत है। जमाखोरों द्वारा रसोई गैस को ब्लैक में बेचा जा रहा है। गैस गोदामों पर लंबी लंबी लाइनें उपभोक्ताओं का हौसला पस्त कर दे रही हैं। यदि रसोई गैस से जमाखोरों की गिद्ध दृष्टि नहीं हटाई गई तो आने वाले दिनों में हाहाकार मचना तय है। रसोई गैस यानी एल पी जी की किल्लत, जमाखोरी और कालाबाजारी एक ऐसी समस्या है जो सीधे आम आदमी की रसोई और बजट पर असर डालती है। जब मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ता है, तो कुछ असामाजिक तत्व इसका फायदा उठाने लगते हैं। किल्लत और कालाबाजारी के मुख्य कारण में आपूर्ति श्रृंखला में बाधा आना है। त्योहारों या सर्दियों के मौसम में मांग बढ़ जाती है, जिससे रिफिलिंग प्लांट से वितरकों तक गैस पहुंचने में देरी होती है। अवैध रिफिलिंग भी एक समस्या है। घरेलू गैस सिलेंडरों (14.2 किलो) से गैस निकालकर छोटे सिलेंडरों या व्यावसायिक उपयोग के लिए बेचना बहुत बड़ा कारण है। आप देखते होंगे कि होटलों और व्यवसायों में घरेलू गैस का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है।कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने के कारण कई ढाबे और रेस्टोरेंट अवैध रूप से घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। जमाखोरी भी एक मुख्य कारण हैं। वितरकों या बिचौलियों द्वारा स्टॉक को रोक लेना ताकि बाजार में .त्रिम कमी पैदा कर उसे ऊंचे दामों पर बेचा जा सके। सुशासन की अवधारणा को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। इसका असर आम जनता पर पड़ना तय जानिए।। यह आर्थिक बोझ है। जरूरतमंद लोगों को मजबूरी में 200 से 500 रुपये अतिरिक्त देकर काला बाजार से सिलेंडर खरीदना पड़ता है। गौरतलब है कि अवैध रिफिलिंग के दौरान अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी होती है, जिससे आग लगने या सिलेंडर फटने की दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। जमाखोरी के कारण आज उपभोक्ताओं को लंबी लाइनों में लगना पड़ता है या बुकिंग के बाद भी डिलीवरी नहीं मिल रही है। उक्त समस्या से समाधान और बचाव के उपाय को हम अपना सकते हैं। ई–केवाईसी फर्जी कनेक्शनों को हटाने के लिए सरकार ने बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया है। अब आप डिजिटल बुकिंग ऐप या व्हाट्सएप के जरिए बुकिंग करें ताकि रिकॉर्ड पारदर्शी रहे और डिलीवरी बॉय अतिरिक्त पैसे न मांग सके। वजन की जांच सिलेंडर लेते समय डिलीवरी मैन से वजन करने को कहें। कम वजन जमाखोरी और चोरी का संकेत है।सख्त छापेमारीप्रशासन और रसद विभाग द्वारा गोदामों की नियमित जांच आवश्यक है। आप शिकायत कर सकते हैं। अगर आप अपने क्षेत्र में जमाखोरी या कालाबाजारी देख रहे हैं, तो चुप न रहें। टोल–फ्री नंबर 1800–233–3555 पर आप शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसका पोर्टल भी है। संबंधित कंपनी (इंडेन, एच पी, भारत गैस) की वेबसाइट या पहल पोर्टल पर शिकायत भी करें। स्थानीय प्रशासन मसलन अपने जिले के रसद अधिकारी, डी एस ओ, या कलेक्ट्रेट में लिखित शिकायत दें।प्रमाण के रूप में यदि संभव हो, तो अधिक पैसे मांगे जाने का वीडियो या रसीद (यदि वे दे रहे हों) सुरक्षित रखें। आपकी जागरूकता से रसोई गैस की किल्लत कम हो सकती है।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

बारूद की कविता और शांति के नोबेल की चाह

अब ट्रंप की गिद्ध दृष्टि का शिकार ईरान है। तेल की खुशबू उन्हें पागल बनाती है। दावा करते हैं कि ईरान की जनता को कट्टरपंथी व्यवस्था से आजाद कराएंगे। यह वही ट्रंप हैं जो खुद टैरिफ के ऐसे कट्टर आतंकी हैं यानी उन्हें देखकर कट्टरपंथ भी शरमा जाए। आंखों में शांति के नोबेल का सपना और उंगलियों में मिसाइल के बटन। कल तक वे शांति–दूत बनने का दम भरते थे, आज वे मध्यपूर्व में बम बरसा रहे हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप जब बोलते हैं, तो लगता है कोई कार्टून बोलता है। डोनाल्ड ट्रंप जब शांति के नोबेल की चर्चा करते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे कसाई छुरी धोते हुए शाकाहार पर भाषण की जुगाली कर रहा हो। ट्रंप की शांति ठीक वैसी है जैसी मोहल्ले का दबंग कहता है, 'मैं बहुत सीधा आदमी हूं, लेकिन अगर कोई सीधा न चले तो३...'

दुनिया के दारोगा बनकर वेनेजुएला को ऐसे नाप लिया जैसे कोई संप्रभु राष्ट्र नहीं, बल्कि व्हाइट हाउस की पिछवाड़े पड़ी पैतृक जमीन हो। जिस देश की जनता ने अपना नेता खुद चुना, वहां ट्रंप साहब ने 'स्वयंभू राष्ट्रपति' पैदा कर दिया। न चुनाव, न संसद, न जनता। उन्हें लगता है कि दुनिया का लोकतंत्र तो व्हाइट हाउस के रिमोट कंट्रोल से चलता है। वेनेजुएला के मामले में ट्रंप ने यह साबित कर दिया कि उनके लिए विश्व के देश अब भूगोल नहीं, बल्कि शतरंज की गोटियां हैं। वह जब चाहें उन्हें उलट–पलट सकते हैं। अब ट्रंप की गिद्ध दृष्टि का शिकार ईरान है। तेल की खुशबू उन्हें पागल बनाती है। दावा करते हैं कि ईरान की जनता को कट्टरपंथी व्यवस्था से आजाद कराएंगे। यह वही ट्रंप हैं जो खुद टैरिफ के ऐसे कट्टर आतंकी हैं यानी उन्हें देखकर कट्टरपंथ भी शरमा जाए। सैकड़ों प्रतिशत टैरिफ की धमकी ऐसे दी जाती है जैसे किराएदार को डराने के लिए कहा जा रहा हो 'बहुत मत बोलो, नहीं तो बिजली–पानी का बिल बढ़ा दूंगा।' पल में तोला, पल में माशा वाले ट्रंप यू–टर्न राष्ट्रपति बन गए हैं आज युद्ध तो कल सीजफायर। परसों फोन कॉल और फिर बयान कि 'मैंने कभी कहा ही नहीं।' उनके झूठों की कतार इतनी लंबी है कि अब तो लाइनें भी थक गई हैं, और झूठ खुद शर्मसार होकर मुंह फेरने लगे हैं। ट्रंप अपने बयानों में बार–बार फिसलते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर वे नैतिकता के प्रोफेसर बन जाते हैं। नोबेल शांति पुरस्कार की बात करते–करते बारूद पर कविता लिख रहे ट्रंप अब डोनाल्ड डक जैसे दिखने लगे हैं। ट्रंप आज भी दुनिया को डराने में लगे हैं। कभी टैरिफ से, कभी धमकी से, कभी ट्वीट से। पर इतिहास बड़ा बेरहम होता है। वह न टैरिफ जानता है, न ट्वीट मानता है। वह सिर्फ इतना लिखेगाकृ'जिसने शांति के नाम पर सबसे ज्यादा आग बेची, वह खुद अपने ही धुएं में गुम हो गया।' इतिहास जब ट्रंप का हाल देखेगा, तो शायद यही लिखेगा कि जो खुद शांति की बात करता रहा और हर तरफ युद्ध और अशांति फैलाता रहा।

'साइलेंट किलर' बन सकता है बढ़ता तापमान

चिंताजनक पहलू यह है कि बढ़ती गर्मी का खतरा सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और केरल जैसे ग्रामीण इलाके भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। खुले आकाश के नीचे काम करने वाले खेतिहर मजदूरों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ता है। यूएनईएससीएपी का कहना है कि इन मजदूरों में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और गर्मी से संबंधित बीमारियां अधिक होती हैं, क्योंकि छाया, पानी और आराम की कमी...

भीषण गर्मी से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे हो सकते हैं, जैसे अंगों की क्रियाशीलता बाधित होना, विकलांगता आदि। साथ ही हृदयघात भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा, कृषि, उत्पादकता व जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने इसे 'साइलेंट किलर' की संज्ञा दी है। दुनिया में बढ़ती गर्मी का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अनुमान है कि साल 2050 तक, दुनिया के लगभग 41 फीसदी लोग खतरनाक स्तर पर भीषण गर्मी का सामना करने को विवश होंगे। साल 2010 तक यह आंकड़ा महज 23 फीसदी था। यह स्थिति तब होगी जब दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक युग से दो डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि भारत, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश और फिलीपींस इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। सच तो यह है कि भीषण गर्मी से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे हो सकते हैं, जैसे अंगों की क्रियाशीलता बाधित होना, विकलांगता, चक्कर, सिरदर्द आदि, साथ ही हृदयघात भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा, कृषि, उत्पादकता, जीवन और विस्थापन पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने इसे 'साइलेंट किलर' की संज्ञा दी है। वर्ष 2026 की शुरुआत में ही गर्मी, सूखा और आग की घटनाओं ने चेतावनी दे दी है। यह बदलाव भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक गंभीर संकेत है, क्योंकि भारत की विशाल आबादी और पहले से ही गर्म जलवायु इसे और अधिक संवेदनशील बना देती है। इसका मुख्य कारण 1950 के बाद से

लू या हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि है। कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण विकासशील देशों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग गर्मी और स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन के अनुसार, भारत में गर्मी के कारण उत्पादकता में भारी कमी आएगी और जीडीपी में गिरावट होने की आशंका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अमेरिका, चीन और भारत में 23 से 30 अतिरिक्त दिन गर्मी का सामना करना पड़ेगा। दुनिया के शोधों ने यह साबित कर दिया है कि भीषण गर्मी से प्रभावित देशों की सूची में भारत सबसे ऊपर है। भारत के आधे से अधिक जिले भीषण गर्मी का सामना करेंगे। यह निष्कर्ष 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट और 'हाउ एक्सट्रीम हीट इज इम्पैक्टिंग इंडिया रू असेसमेंट डिस्ट्रिक्ट लेवल हीट रिस्क–2025' के नाम से सीईईडब्ल्यू के अध्ययन में सामने आया है। इस अध्ययन में सबसे गर्म रातों, यानी 'हॉट नाइट्स', की तादाद में वृद्धि का उल्लेख किया गया है, जिससे हृदय रोग और उससे जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक और हृदयाघात की संभावना भी अधिक रहती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्मी का यह असर 1.5 डिग्री की सीमा पार करने से पहले ही दिखने लगेगा। अगले 5 वर्षों में लाखों घरों और दफ्तरों को कूलिंग सिस्टम की जरूरत में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी। इसके परिणामस्वरूप, जहां ऊर्जा की मांग बढ़ेगी, वहीं कार्बन उत्सर्जन में भी इजाफा होगा। गौरतलब है कि आज हम गर्मी के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए पर्यावरण में वृक्षों की महत्ता को नकार रहे हैं। दुख की बात यह है कि विकास के नाम पर हम हर साल लाखों हरे–भरे पेड़ों की बलि दे रहे हैं। यह सिलसिला पूरे देश में बेरोकटोक जारी है, और सरकार मौन है। राजस्थान में ग्रीन एनर्जी के नाम पर हजारों–लाखों खेजड़ी के पेड़ काटे जा रहे हैं। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के अनुसार, खेजड़ी की कटाई के कारण इस क्षेत्र का तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है।

सीईईडब्ल्यू के अनुसार, देश में गर्मी के सबसे अधिक जोखिम वाले राज्यों में दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गोवा, केरल, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं। देश के 417 जिले उच्च जोखिम की श्रेणी में हैं, जबकि 201 जिले मध्यम जोखिम का सामना कर रहे हैं। अब उत्तर भारत के शुष्क क्षेत्रों में भी तटीय इलाकों की उमस बढ़ रही है और सिंधु और गांगेय क्षेत्रों में पिछले दशक के मुकाबले आर्द्रता में 10 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। दिल्ली, कानपुर, वाराणसी, जयपुर जैसे शहरों में आर्द्रता का स्तर 40–50 फीसदी तक पहुंच चुका है। चिंताजनक पहलू यह है कि बढ़ती गर्मी का खतरा सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और केरल जैसे ग्रामीण इलाके भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। खुले आकाश के नीचे काम करने वाले खेतिहर मजदूरों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ता है। यूएनईएससीएपी का कहना है कि इन मजदूरों में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और गर्मी से संबंधित बीमारियां अधिक होती हैं, क्योंकि छाया, पानी और आराम की कमी स्थिति को और गंभीर बना देती है। उन्हें समय पर इलाज भी नहीं मिल पाता। संयुक्त राष्ट्र ने जोर दिया है कि बढ़ती गर्मी से बचाव के लिए तुरंत ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

{ हमें यह स्मरण रखना होगा कि समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनताय उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र–निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति व्यक्ति की क्षमता, परिश्रम, सामाजिक ... }

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनताय उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र–निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है। आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है। इस विरोध की तीव्रता का अंदाजा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर–मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति–आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है? सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहां का वातावरण मूलतः

संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय समाज आज जातिगत विमर्श के ऐसे जाल में उलझता जा रहा है, जहां पूर्व धारणाएं प्रायः तथ्यों पर भारी पड़ती प्रतीत होती हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं। यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अतः इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता। अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थातद् परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं उन्हें व वैश्य जो उन वस्तुओं के व्यापार से आय उत्पन्न करके राजस्व बढ़ाते हैं उन्हें अधिक संख्या में बसाना चाहिए। एगंस मेड्सिन ने अपने अध्ययन में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि विश्व का एक–तिहाई उत्पादन भारत में होने व प्राचीन वाङ्मय के अनुसार समग्र उत्पादन का दायित्व शूद्रों के नियंत्रण में होने से ही शूद्र प्राचीन काल से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यकायक शूद्र निम्न श्रेणी में कैसे अवस्थित हो गए? अगर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह विदित होगा कि इस वर्ग के पास कौशल और परिश्रम की निधि थी जिसे औद्योगीकरण के प्रभाव ने समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप रोजगार का अभाव उनकी आर्थिक विपन्नता का कारण बना। अंग्रेजों द्वारा उन्हें यह विश्वास निरंतर दिलाया गया कि उनके साथ जो कुछ भी नकारात्मक हुआ है और हो रहा है उसका कारण श्रेष्ठी वर्ग हैं। असत्य को निरंतर दोहराने पर वह सत्य प्रतीत होने लगता है। ब्रिटिश काल में बोया गया जातिगत विभाजन का बीज धीरे–धीरे एक ऐसी बेल में परिवर्तित हो गया, जो समाज के अनेक हिस्सों में फैलता चला गया। समय के साथ हमने यह कठोर सत्य भी भुला दिया। जब–जब समाज बिखरता है तब तक राष्ट्र की शक्ति क्षीण होती है। इतिहास साक्षी है कि आंतरिक विभाजन किसी भी देश की प्रगति को धीमा कर देता है। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित 'वर्ण व्यवस्था' 'जाति व्यवस्था' का आवरण पहन समय के साथ विकृत रूप ग्रहण करती गई और बीती कई सहस्राब्दियों में उसने भारतीय समाज के मूल आदर्श सहिष्णुता, सामाजिक समरसता तथा एकत्व भाव पर कुठाराघात किया। देश की सुदृढ़ता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम उन विखंडित इतिहास–कथनों और विभाजनकारी आख्यानों से स्वयं को मुक्त करें, जो हमें बार–बार यह विश्वास दिलाने का प्रयास करते हैं कि हम किसी से श्रेष्ठ हैं या किसी से निम्नतर हैं।

अंतरिक्ष से आएगी ईरान पर आफत, युद्ध समाप्त करने के लिए इजरायल फिर से करेगा Blue Sparrow का इस्तेमाल ?

दुनिया में आजकल युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं बल्कि आसमान और अंतरिक्ष के करीब भी लड़े जा रहे हैं। आधुनिक हथियारों की दौड़ में कई देश ऐसी मिसाइलें बना चुके हैं जिन्हें रोकना लगभग नामुमकिन माना जाता है। इसी तरह की एक मिसाइल इजराइल की ब्लू स्पैरो है। यह मिसाइल इस समय दुनिया के कई रक्षा एक्सपर्टों के लिए सबसे बड़ा सिर दर्द बन चुकी है क्योंकि कहा जाता है कि इसके सामने सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम भी कई बार बेबस हो जाते हैं। आखिर ऐसा क्या खास है इस मिसाइल में कि यह दुश्मन के सबसे मजबूत रक्षा कवच को भी चकमा दे देती है।

इजराइल की ब्लू स्पेरो आखिर कैसे काम करती है

सबसे पहले आपको बता दें कि ब्लू स्पेरो को इजराइल की मशहूर रक्षा कंपनी राफेल एडवांस सिस्टम्स ने विकसित किया है। यह वही कंपनी है जिसने दुनिया भर के कई अत्याधुनिक हथियार और मिसाइल सिस्टम बनाए हैं। ब्लू स्पेरो को खासतौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के डिफेंस सिस्टम को भ्रमित कर सके और अपने लक्ष्य तक बिना रोके पहुंच सके। दरअसल, इसका पहला कारण है इसका उड़ान का तरीका। दुनिया की ज्यादातर मिसाइलें जमीन के समानांतर या फिर एक तय ऊंचाई पर उड़ती है। इस वजह से रडार सिस्टम उन्हें आसानी से पकड़ लेते हैं। लेकिन ब्लू स्परो का उड़ान पैटर्न बिल्कुल अलग है। जब इसे लॉन्च किया जाता है तो यह सीधी ऊपर की ओर जाती है और एक्सो एटमॉस्फियर फेज यानी कि अंतरिक्ष की दहलीज के करीब पहुंच जाती है।

कैसे इसके सामने एयर डिफेंस सिस्टम फेल हो जाते हैं

इतनी ऊंचाई पर पहुंचने के बाद यह अचानक अपने लक्ष्य की दिशा में नीचे की ओर गिरती है। यहीं पर दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम के लिए सबसे बड़ी समस्या पैदा हो जाती है। दरअसल ज्यादातर रडार सिस्टम क्षितिज यानी कि सामने की दिशा में आने वाले खतरे को स्कैन करते हैं। वे जमीन के समानांतर उड़ने वाली मिसाइलों को पकड़ने के लिए डिजाइन किए गए हैं। लेकिन जब कोई मिसाइल ऊपर से लगभग 90 डिग्री के कोण पर सीधे नीचे गिरती है तो रडार के लिए उसे पकड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। रडार के ठीक ऊपर एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां तकनीकी भाषा में ब्लाइंड स्पॉट कहा जाता है। इस ब्लाइंड स्पॉट में आने वाली चीजों को रडार तुरंत पहचानता नहीं है। ब्लू स्पेरो इसी कमजोरी का फायदा उठाता है। जब तक एयर डिफेंस सिस्टम को समझ में आता कि ऊपर से कोई खतरा आ रहा है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और यही वजह है कि इस मिसाइल को रोकना बेहद नामुमकिन माना जाता है।

हाइपरसोनिक स्तर की रफ्तारः इस मिसाइल की रफ्तार हाइपरसोनिक स्तर तक पहुंच सकती है। यानी यह ध्वनि की गति से कई गुना तेज चलती है। जब यह अंतरिक्ष जैसी ऊंचाई से नीचे गिरती है। गुरुत्वाकर्षण और इसकी खुद की गति मिलकर इसे और भी तेज बना देते हैं। इसकी स्पीड इतनी ज्यादा होती है कि दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को प्रतिज्ञा देने का भी लगभग कोई समय नहीं होता है। यानी मिसाइल का पता चलने और उसे रोकने के बीच का समय बेहद कम होता है और इसी वजह से इसे रोकना लगभग असंभव हो जाता है। इस मिसाइल की एक और खासियत इसका लॉन्च प्लेटफार्म है। ब्लू स्पेरो को जमीन से लॉन्च नहीं किया जाता है। इसे हवा में उड़ रहे लड़ाकू विमान से छोड़ा जाता है। खासतौर पर थ15 ईगल जैसे शक्तिशाली फाइटर जेट से इसे लॉन्च किया जाता है।

2,000 किलोमीटर दूर तक सटीक मारक क्षमता

ब्लू स्पैरो की परिचालन क्षमता लगभग 2,000 किलोमीटर है। इसे मूल रूप से इजराइल की एरो रक्षा प्रणाली के लिए दुश्मन के बैलिस्टिक खतरों का अनुकरण करने के लिए बनाया गया था। यह हथियार अध–बैलिस्टिक प्रक्षेप पथ का अनुसरण करता है, जिससे पारंपरिक हवाई रक्षा नेटवर्क द्वारा इसे रोकना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसकी अद्वितीय परिचालन क्षमता इसे भविष्य के गहन हमलों के लिए एक प्रमुख सामरिक विकल्प बनाती है।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी तेजी से फैल रहा है

12 घंटों में लगभग 900 हमलों की शुरुआती बौछार के बाद, क्षेत्रीय संघर्ष और बढ़ गया है। ईरान ने तुरंत सैकड़ों मिसाइलों और हजारों ड्रोनों से जवाबी कार्रवाई की। ईरानी सेना ने मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है। जैसे–जैसे युद्ध एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर रहा है, इजराइल शेष बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए अधिक उन्नत मिसाइलों को तैनात कर सकता है।

क्या भूमिगत बंकर ध्वस्त हो जाएंगे?: पाश्चर स्ट्रीट परिसर के विनाश के बाद ईरान वर्तमान में अपने राजनीतिक नेतृत्व का पुनर्गठन कर रहा है। नए शीर्ष कमांडर संभवतः हवाई हमलों से बचने के लिए भूमिगत बंकरों में ही रहेंगे। इजराइल भारी सुरक्षा वाले भूमिगत ठिकानों में घुसपैठ करने के लिए ब्लू स्पैरो या उसके सटीक हमले वाले संस्करण रॉक्स पर निर्भर हो सकता है। हालांकि, इस तरह के हमले में भारी सामरिक जोखिम शामिल हैं। एक निश्चित अंत की संभावना अभी भी अनिश्चित है। यह अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है कि क्या इजराइल युद्ध समाप्त करने के लिए एक और ब्लू स्पैरो मिसाइल दागेगा। अमेरिका रक्षात्मक रुख अपनाते हुए ईरानी जवाबी हमलों से सक्रिय रूप से बचाव कर रहा है। यदि ईरान सहयोगी बलों पर अपने ड्रोन हमलों को तेज करता है तो एक और हथियार तैनाती हो सकती है। इसके विपरीत, यदि मौजूदा गुप्त राजनयिक प्रयासों से अचानक युद्धविराम हो जाता है तो हमला नहीं भी हो सकता है।

मसूरी के इस आलीशान होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप यादव, कभी यहां भारतीयों की एंट्री पर था बैन

टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज कुलदीप यादव 14 मार्च को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। उनकी शादी मसूरी के ऐतिहासिक और देश के पहले सेवॉय होटल में होगी। जिसके बाद सेवॉय होटल एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल, कुलदीप अपनी बचपन की दोस्त और गर्लफ्रेंड वंशिका के साथ ब्रिटिश दौर में बने इस प्रतिष्ठित होटल में फेरे लेंगे। होटल का स्टाफ इस हाई प्रोफाइल शादी को लेकर काफी एक्साइटेड है। करीब एक सदी से ज्यादा पुराने इस होटल का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। कभी ऐसा समय भी था जब यहां भारतीयों की एंट्री पर बैन था।

बता दें कि, सेवॉय होटल मसूरी की पहचान माना जाने वाला 1902 में शुरू हुआ था। ब्रिटिश काल में ये होटल अंग्रेज अधिकारियों और यूरोपीय मेहमानों के लिए बनाया गया था। अंग्रेजों ने गर्मियों में मसूरी की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठाने के लिए इस होटल का निर्माण कराया था। उस समय भारतीयों को यहां ठहरने की अनुमति नहीं थी लेकिन धीरे–धीरे ये होटल सभी के लिए खुला और समय के साथ देश–विदेश के कई प्रतिष्ठित लोगों की मेजबानी करता रहा। सेवॉय होटल अपनी भव्य वास्तुकला, पुराने ब्रिटिश दौर की झक और ऐतिहासिक महत्व के कारण आज भी खास माना जाता है। इस होटलमें कई बड़े राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां ठहर चुकी हैं। वहीं अब इस होटल कुलदीप यादव की शादी के कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। जिसे लेकर मसूरी में खासा उत्साह है। क्रिकेट प्रेमियों और स्थानीय लोगों के बीच इस शादी को लेकर चर्चा का माहौल है। पहाड़ों की खूबसूरत वादियों के बीच होने वाला ये समारोह सेवॉय होटल के इतिहास में एक और यादगार अध्याय जोड़ने जा रहा है।

वह इस पर राजनीति... हरभजन सिंह ने कीर्ति आजाद को दिया दो टूक जवाब

टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम किया है। जिसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास बने हनुमान मंदिर में वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को लेकर गए। लेकिन ये बात पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद को अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे लेकर कहा कि टीम इंडिया को शर्मा आनी चाहिए। जिसके बाद पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपना बयान देकर कीर्ति आजाद की बोलती बंद कर दी।

कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की बुराई करते हुए ट्रॉफी के मंदिर ले जाने पर सवाल किया कि ट्रॉफी को मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे में क्यों नहीं ले जाया गया? उनका कहना था कि जीत हर भारतीय की है और ये किसी एक धर्म की नहीं है। इस पर पहले ईशान किशन कहते हैं कि कुछ अच्छा सवाल पूछो और अब हरभजन सिंह ने साफ कह दिया कि ये बेतुका बयान है कि वह इस पर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए बयान में हरभजन सिंह ने कहा कि, ये अजीब है कि वह (कीर्ति आजाद) इस पर पॉलिटिक्स खेलकर क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। इंडियन टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन सिंह ने कहा कि उन्हें खुश होना चाहिए की भारत ने वर्ल्ड कप जीता है। उन्होंने आगे कहा कि, साथ क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। शायद वे खेल से ज्यादा पॉलिटिक्स को पसंद कर रहे हैं। ये और भी बुरा है कि वह एक स्पोर्ट्समैन हैं। देश ने वर्ल्ड कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ, लेकिन तुम पॉलिटिक्स करने में बिजी हो। हम अपने धर्म में कहते हैं कि सभी धर्म एक जैसे हैं। भगवाल अलग–अलग हो सकते हैं लेकिन रास्ता एक ही है।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई घायल, राष्ट्रपति के बेटे ने कहा– ईश्वर का शुक्र है, वो स्वस्थ हैं

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के दौरान घायल हो गए हैं। यह जानकारी बुधवार को ईरान के राष्ट्रपति के बेटे यूसुफ पेजेश्कियन ने दी। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, राष्ट्रपति के बेटे ने बताया कि नए नेता, जिन्होंने अपने पिता अली खामेनेई की अमेरिकी–इजराइल हमलों में मृत्यु के बाद पदभार संभाला है, युद्ध के दौरान घायल होने की खबरों के बावजूद पूरी तरह सुरक्षित हैं। यह बयान खामेनेई के स्वास्थ्य और ठिकाने को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच आया है। वह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। सरकारी सलाहकार यूसुफ पेजेश्कियन ने अपने टेलीग्राम चौनल पर एक पोस्ट में कहा कि मुझे खबर मिली थी कि श्री मोजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। मैंने अपने कुछ परिचित मित्रों से पूछा, जिन्होंने मुझे बताया कि ईश्वर का शुक्र है, वह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई को रमजान युद्ध का घायल अनुभवी बताया था, लेकिन उनकी चोट के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी थी।

मोजतबा खामेनेई युद्ध के पहले दिन घायल हुएरू रिपोर्ट

न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन अज्ञात ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि खामेनेई पैरों सहित कई जगहों पर घायल हुए हैं, लेकिन वह होश में हैं और सीमित संचार वाले एक अत्यंत सुरक्षित स्थान पर शरण लिए हुए हैं। 56 वर्षीय खामेनेई को रविवार को उनके पिता अली खामेनेई का उत्तराधिकारी घोषित किया गया था, जो लंबे समय तक सर्वोच्च नेता रहे और युद्ध के पहले दिन ही मारे गए थे। नए सर्वोच्च नेता इस्लामिक गणराज्य के लंबे समय तक शासक रहे अयातुल्ला अली खामेनेई के पुत्र और उत्तराधिकारी हैं, जिनकी 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी–इजरायली हमलों में मृत्यु हो गई थी, जिसने मध्य पूर्व में युद्ध छेड़ दिया था। 56 वर्षीय मोजतबा खामेनेई, जो एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए हों या आधिकारिक कार्यक्रमों में बोले हों, ने रविवार को सर्वोच्च नेता घोषित किए जाने के बाद से अभी तक राष्ट्र को संबोधित नहीं किया है और न ही कोई लिखित बयान जारी किया है।

टीम इंडिया ने टी20 क्रिकेट में बनाया ये महारिकॉर्ड, दूर–दूर तक नहीं कोई दूसरी टीम

टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बोलबाला है। भारतीय टीम के पास अब तीन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी और

टीम लगातार दूसरा टी20 खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी है। साथ ही भारतीय टीम बड़े–बड़े स्कोर बनाने का दमखम रखती है। यही कारण है कि टीम इंडिया के नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज है। भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 200 से ज्यादा का टोटल बनाया हुआ है। दूसरे नंबर पर जो टीम है वह बहुत पीछे है।

दरअसल, भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल समेत 50 बार 200 से ज्यादा आंकड़ा इस फॉर्मेट में पार किया है। इस क्रम में कोई भी टीम नहीं है जिसने टीम इंडिया के बराबर ही 200 से ज्यादा का स्कोर टी20 क्रिकेट में बनाए है। असल में इस कड़ी में जो टीम दूसरे नंबर पर उसने सिर्फ 29 बार ही 200 का आंकड़ा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पार किया है। तीसरे नंबर वाली टीम ने 28 बार ये कारनामा किया है।

भारतीय टीम के बाद दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका की टीम है, जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है। इंग्लैंड की टीम 26 बार 200 के पार टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में गई है, जबकि इतनी ही बार वेस्टइंडीज की टीम ने भी 200 रनों का टोटल टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाया है।

कीर्ति आजाद के बयान पर गौतम गंभीर का कड़ा जवाब, जानें टीम इंडिया के हेड कोच क्या बोले?

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सासंद कीर्ति आजाद के एक बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसमें उन्होंने भारतीय टीम के मंदिर जाने पर सवाल उठाया था। कीर्ति आजाद ने एक पोस्ट में लिखा था कि ट्रॉफी 1. 4 अरब भारतीयों की है, इसलिए ये सिर्फ एक धर्म की जीत नहीं होनी चाहिए। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई है। अब इस पूरे मामले पर गौतम गंभीर ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि, इस सवाल का जवाब देना भी जरूरी नहीं है। ये पूरे देश के लिए बहुत बड़ा पल है और हमें इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाना चाहिए। ऐसी कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इससे टीम की उपलब्धियां छोटी हो जाती है। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की मेहनत को कम करके दिखाना चाहते हैं तो फिर कल कोई भी उठकर कुछ भी कह सकता है। उन्होंने कहा कि, ये खिलाड़ियों के साथ भी गलत है। जरा सोचिए कि इन खिलाडियों ने क्या–क्या झेला और कितना दबाव सहा है। साउथ अफ्रीका से हार के बाद टीम पर कितना दबाव था। ऐसे समय में अगर इस तरह का बयान दिया जाता है तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखाते हैं ऐसा करना बिल्कुल गलत है।

ईरान से बातचीत को तैयार ट्रंप , लेकिन रखी हैं ये बड़ी शर्तें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में संकेत दिया है कि वे शर्तों के आधार पर ईरान के साथ बातचीत के लिए तैयार हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सुना है कि तेहरान बातचीत के लिए उत्सुक है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी बातचीत प्रस्तावित शर्तों पर निर्भर करेगी। ये टिप्पणियां सोमवार शाम को दिए गए एक साक्षात्कार के दौरान आईं, जिसकी रिपोर्ट मंगलवार को केबल न्यूज नेटवर्क ने प्रकाशित की। इसी साक्षात्कार में ट्रंप ने ईरान के नव नियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की भी आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास

नहीं है कि नेता शांतिपूर्वक शासन कर पाएंगे। अमेरिकी युद्ध सचिव ने ईरान पर भीषण हमले करने का संकल्प लियाः अमेरिका ने चेतावनी दी है कि ईरान में उसके हमले अब तक के सबसे तीव्र स्तर पर पहुंचेंगे, क्योंकि भारी नुकसान के बावजूद ईरान अपना प्रतिरोध जारी रखे हुए है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी सेना ईरानी ठिकानों पर अभियान तेज कर रही है, जो संघर्ष में तीव्र वृद्धि का संकेत है। इजराइल ने भी आक्रामक रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका अभियान ईरान को कमजोर करने और वहां के लोगों को सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए उकसाने के उद्देश्य से है। नेतन्याहू ने कहा कि हमारा लक्ष्य उनकी सत्ता को तोड़ना और ईरानी लोगों को अत्याचार से मुक्ति पाने का मौका देना है। हालांकि, ईरान शांति की कोई उम्मीद नहीं दिखा रहा है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलिबाफ ने तेहरान द्वारा युद्धविराम की मांग करने की किसी भी खबर को खारिज करते हुए देश के प्रतिरोध को जारी रखने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ईरान ने मध्य पूर्व में ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनायाः ईरान ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है और रणनीतिक स्थलों पर लक्षित मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल ही में निशाना बनाए गए स्थलों में संयुक्त अरब अमीरात की सबसे बड़ी तेल प्रसंस्करण सुविधा, एडीएनओसी रुवैस रिफाइनरी भी शामिल थी। यह एक ही स्थान पर स्थित रिफाइनरी है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनरी है, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 837,000 बैरल कच्चे तेल को संसाधित करने की है। इन हमलों ने पहले से ही नाजुक वैश्विक ऊर्जा स्थिति को और बिगाड़ दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हलचल मच गई है।

मानकविहीन नाला निर्माण कार्य में अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही शून्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की कहानी पर जनता को ध्यान देना चाहिए क्यों कि यहां के अधिकारियों ने आंखें बन्द करके स्वयं मौन धारण कर चुके हैं वहीं मनबढ़ ठेकेदार कहते फिर रहे हैं कि खबरें छपती रहे कुछ होने वाला नहीं है। नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक व्यक्ति ने बताया की यह विधायक सदर के सह पर इस तरह कार्य हो रहा है परन्तु इस बात पर सवाल खड़ा होना लाजमी है कि नगर पालिका परिषद गोन्डा शहर क्षेत्र में हो रहे नाले निर्माण कार्य को लेकर लोगों ने जानकारी दी की नाला निर्माण कार्य मानकविहीन और भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रहा है जो कहीं न कहीं जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा की जनपद में लगातार कहीं न कहीं निर्माण कार्यो में मानकविहीन सामग्रियों का तंत्र पर तमाचा की तरह प्रतीत उपयोग कर सिर्फ और सिर्फ हो रहा था।जिस प्रकार जल्द जन धन का दुर्पयोग कर बाजी में नाममात्र मोरंग और

आनन–फानन में कार्य पूर्ण करके बंदर बांट कर लिया जाये। जानकारी होने पर जब बुध के संदेश दैनिक अखबार के पत्रकार ने मौके का नाजारा देखा तो सच्चाई सरकार और सरकारी मर्जी कार्य से अधिकारी और जिम्मेदार नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों पर बड़ी निन्दनीय है।खबर प्रकाशित होने के बाद काम और तेजी से चलने लगा लेकिन जानकारी के अनुसार कार्यो इस तरह मानकविहीन सामग्रियों से होना कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होना है जिससे अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही करने में आनाकानी किया जा रहा है।बड़ा सवाल है की जनपद गोन्डा के जनता में दबदबा कायम है या तो जानता जागरूक नहीं हैं खेल कुछ भी हो जन–धन हानि पर चिन्ता करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि टैक्स तो जनता ही देती है। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोन्डा को जानकारी देने के बाद भी कोई संतुष्टि जनक जवाब न मिलना और दूरभाष पर वार्ता न हो पाना बड़ी हस्तियों का दबाव हो सकता है।

अत्यधिक मात्रा मे सफेद बालू, मानकविहीन सरिया का स्तेमाल कर नाले की ढलाई की जा रही थी।मौजूद कुछ लोगों ने बताया की इस प्रकार की नाले की मानकविहीन ढलाई और मन

राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के विजय कुमार सोनी को जिला महामंत्री का दिया गया पदभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के जिलाध्यक्ष रितेश सोनी ने बैठक करके सैकड़ों की संख्या में से विजय कुमार सोनी (पत्रकार) को संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ कौशल सोनी के निर्देश पर जिला महामंत्री गोन्डा मनोनीत किया गया।इस सम्बन्ध में जिलाध्यक्ष रितेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्णकार समाज राजनीति में बहुत पीछे है जबकि हमारी भागीदारी सबसे अधिक होती है हमको एकसाथ मिलकर अपनी भागीदारी का दमखम दिखाना होगा इसलिए जनपद गोन्डा में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के बैनर के नीचे स्वर्णकार/सोनार समाज के लोगों एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं इसी को लेकर संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार और प्रदेश अध्यक्ष डॉ कौशल सोनी के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी का गठन जारी है इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच गोन्डा से जिला महामंत्री पद पर विजय कुमार सोनी (पत्रकार) को मनोनीत कर मनोनयन पत्र दिया गया है।विजय कुमार सोनी के जिला महामंत्री पद पर मनोनीत होते ही आशीष सोनी,अनुराग सोनी,अजय रस्तोगी,पीयूष सोनी,पंकज सोनी,राजेश सोनी, अमरनाथ सोनी,राज सोनी,प्रिंस सोनी, वरिष्ठ पत्रकार सन्तोष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र लाल गुप्ता,वरिष्ठ पत्रकार शिवकुमार द्विवेदी, सन्तोष भट्ट,सूरज मोदनवाल सहित हजारों स्वर्णकार/सोनार समाज के लोगों द्वारा और मित्रगणो ने बधाई दी तथा कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच गोन्डा के जिला महामंत्री पदभार ग्रहण करते हुए विजय कुमार सोनी (पत्रकार) ने कहा कि स्वर्णकार समाज राजनीति से लेकर अन्य कई मामलों में पूरे देश में एक जुटता न होने के कारण कहीं भी गिनती में नहीं है।हाल ही में देखा जाऐ तो कई जिलों स्वर्णकार/सोनार समाज के लोगों के साथ लूट और हत्याएं जैसी घटनाएं होती है परन्तु कोई भी राजनीतिक पार्टी या नेता हस्तक्षेप नहीं करता है इस लिए अब हमें सिर्फ भीड़ का हिस्सा नहीं बनना है बल्कि नेतृत्व करने की जरूरत है।

मोकलपुर की बालिका टीम ने टेबल टेनिस में तीसरा स्थान प्राप्त कर जीता ब्रॉन्ज मेडल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में 36वीं, राज्य स्तरीय बालक्रीड़ा

प्रतियोगिता जो दिनांक 9 से 11 मार्च तक,,अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम डाबा सेमर, सेमर अयोध्या में संपन्न हुआ। देवीपाटन मंडल से खेलते हुए पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोकलपुर की बालिका टीम ने टेबल टेनिस में तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रॉन्ज मेडल जीता और प्रदेश में जनपद का नाम रोशन किया बालिका संवर्ग में नव्या चौबे, आसानी, शिवानी शुक्ला, अंशी, महक, आराध्या, रही।इसी प्रकार बालक टेबल टेनिस में भी यूपीएस मोकलपुर झंझरी के अंश चौबे, रत्नेश मिश्रा, ने प्रदेश में तीसरा स्थान बनाया। टीम कोच संजय सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक गोण्डा, तथा टीम को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी अंकित जैन, सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक राम सागर पति त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, शिक्षक संघ के अध्यक्ष, अशोक कुमार पांडे, मंत्री अजीत कुमार तिवारी, विनय कुमार तिवारी, व्यायाम शिक्षकों में ओम शंकर यादव, विश्वजीत यादव, राज मंगल शुक्ला आनंद यादव, मनोज कुमार, शिव शंकर सहित अन्य शिक्षको ने बधाई दिया है।

पयागपुर में चाट-टिक्की की दुकानों पर धड़ल्ले से घरेलू सिलेंडर का हो रहा उपयोग, प्रशासन बेखबर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर के कमर्शियल उपयोग

पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद पयागपुर क्षेत्र में चाट–टिक्की और फास्ट फूड की दुकानों पर खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार और चौराहों पर लगने वाली कई दुकानों में घरेलू सिलेंडर से ही खाना पकाया जा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार ऐसे व्यवसायों में केवल कमर्शियल सिलेंडर का ही उपयोग किया जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि सरकार द्वारा रेस्टोरेंट, होटल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू सिलेंडर के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है, ताकि सब्सिडी वाले सिलेंडरों का दुरुपयोग न हो सके। इसके बावजूद पयागपुर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में चाट–टिक्की, समोसा और अन्य फास्ट फूड की दुकानों पर घरेलू सिलेंडर का प्रयोग धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस मामले में प्रशासन और आपूर्ति विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। यदि समय रहते जांच और छापेमारी नहीं हुई तो सरकारी नियमों की अनदेखी का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बाजार में चल रही ऐसी दुकानों की जांच कराई जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि घरेलू गैस सिलेंडरों के कमर्शियल उपयोग पर रोक प्रभावी ढंग से लागू हो सके। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में छापेमारी अभियान और तेज किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

सबलापुर में "नो स्मोकिंग डे" पर जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। डा. सर्वेश कुमार शुक्ला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सबलापुर में बुधवार को "नो स्मोकिंग डे" के

अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को धूम्रपान के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता और पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से धूम्रपान से होने वाली गंभीर बीमारियों और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। छात्रों ने बताया कि धूम्रपान न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि आसपास के लोगों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नर्सिंग प्राचार्या डॉ. रोजा रानी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को धूम्रपान जैसी बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए और समाज में भी इसके खिलाफ जागरूकता फैलानी चाहिए। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर फूलचंद्र डावरिया, संगीता पाल, सुषमा गिरी, सौम्या सिंह, प्रतीज्ञा पाठक, उदय प्रताप वर्मा, चंदन शर्मा, संगीता दूबे, एकता सिंह, मोनिका, अर्पिता और धर्मेंद्र तिवारी सहित अन्य फैकल्टी सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

बहराइच में घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर के

अवैध उपयोग पर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। जिला पूर्ति विभाग और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंटों में छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार कई स्थानों पर कमर्शियल सिलेंडर की जगह घरेलू एलपीजी सिलेंडर का उपयोग किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति विभाग ने खाद्य विभाग के साथ मिलकर जांच अभियान चलाया है। निरीक्षण के दौरान टीम ने कई प्रतिष्ठानों की जांच की और संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि व्यवसायिक उपयोग के लिए केवल कमर्शियल गैस सिलेंडर का ही इस्तेमाल किया जाए। घरेलू सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग नियमों के विरुद्ध है और ऐसा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित है। यदि होटल, ढाबा या अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान में घरेलू गैस सिलेंडर का प्रयोग मिलता है तो संबंधित संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्ति विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि कमर्शियल सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित गैस एजेंसियों से समन्वय किया जा रहा है। प्रशासन ने सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से नियमों का पालन करने की अपील की है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में छापेमारी अभियान और तेज किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने किया मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का किया स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन योगी आदित्यनाथ

जी ने बुधवार को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री जी ने निर्माण एजेंसी को हर हाल में मई 2026 तक निर्माण पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में इसमें विलंब बर्दाश्त नहीं होगा। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय के कुलपति से कार्य प्रगति पर पूरी जानकारी भी प्राप्त की। इसके अलावा उन्हों ने राजकीय मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रांगण में मौलिश्री का पौधा लगाया। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के मॉडल पर प्रेजेंटेशन को देखा। मुख्यमंत्री जी ने कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह से कहा कि कार्य समयसीमा के अंदर हो, इसकी नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्माण एजेंसी को मई तक काम पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुणवत्ता हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जी ने एकेडमिक बिल्डिंग, थियेटर क्लास, लैब समेत समूचे विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक पल्टूराम, एमएलसी साकेत मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र, जिलाधिकारी विपिन जैन, कुलसचिव परमानंद सिंह, परीक्षा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

अवैध क्लीनिक और मेडिकल स्टोर पर प्रशासन का चाबुक, फर्जी डॉक्टर के मंसूबों पर फिरा पानी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक और

मेडिकल स्टोर के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार और डिप्टी सीएमओ की संयुक्त टीम ने रायपुर राजा क्षेत्र में छापेमारी कर बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे क्लीनिक, पैथोलॉजी और मेडिकल स्टोर को सील कर दिया।बताया जा रहा है कि क्षेत्र के लोगों ने लंबे समय से शिकायत की थी कि रायपुर राजा में एक फर्जी डॉक्टर बिना किसी वैध पंजीकरण के क्लीनिक, पैथोलॉजी और मेडिकल स्टोर संचालित कर रहा था और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा था। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए औचक छापेमारी की।जांच के दौरान संबंधित क्लीनिक, पैथोलॉजी और मेडिकल स्टोर के पास आवश्यक दस्तावेज और पंजीकरण नहीं पाए गए। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी अवैध संस्थानों को सील कर दिया।प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में संचालित झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध रूप से स्वास्थ्य सेवाएं संचालित करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने किया निर्माणाधीन परियोजनाओ का निरीक्षण

परियोजनाआं को मार्च तक पूरा कराने का दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बुधवार को क्षेत्र की अनेक परियोजनाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अटल नगर वार्ड स्थित निर्माणधीन नगर पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया। इन्होंने इसे मार्च तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। इसे इको फ्रेंडली बनाने का सुझाव दिया। श्रीमती राना इसके बाद राजा उदय प्रताप नगर वार्ड में बन रहे अंतरिक्ष प्रयोगशाला और डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी मार्च के अंतिम सप्ताह तक पूरा करने का निर्देश दिया जिससे विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए। इसे नगर वार्ड में निर्माणाधीन अंबेडकर

वाई फाई और सोलर सिस्टम से जोड़ने निर्देश भी दिया।नगर पंचायत अध्यक्ष ने भगत सिंह पार्क और गुरु प्रसाद नगर वार्ड में बन रहे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इन दोनों परियोजनाओं में ठेकेदार ने बताया कि शासन द्वारा दूसरी किस्त नहीं मिलने के कारण कार्य पूरा नहीं किया जा सका है। श्रीमती राना ने निर्देश दिया कि शासन से समन्वय स्थापित कर धन अवमुक्त कराने की कार्यवाही की जाए और शीघ्र निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाए।अध्यक्ष ने जनता की मांग पर नगर कप्तानगंज मार्ग पर एक शौचालय कॉप्लेक्स बनवाने का आश्वाशन दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर को देश का मॉडल नगर पंचायत बनाने प्रयास जारी है।

खेल उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होंगे स्पोर्ट्स कॉलेज, पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी शुल्क में छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेजेज सोसाइटी, लखनऊ की बैठक खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सोसाइटी के अध्यक्ष गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ परिसर स्थित ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम के समिति कक्ष में आयोजित की गई।बैठक में सचिव खेल सुहास एल.वाई., विशेष सचिव खेल कुमार विनीत, संयुक्त सचिव खेल हृदय नारायण सिंह यादव, संयुक्त सचिव वित्त कुंवर मकरंद सिंह, उप निदेशक खेल एस.एस. मिश्रा, सहायक शिक्षा निदेशक (खेल) जयशंकर श्रीवास्तव, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता एम.पी. सिंह, ओलंपियन सैय्यद अली, उदयभान यादव सहित लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य अतुल सिन्हा तथा गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर, सहारनपुर और बलिया के स्पोर्ट्स कॉलेजों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।बैठक की शुरुआत अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सदस्यों से परिचय प्राप्त करने के साथ हुई। इस दौरान प्रदेश के स्पोर्ट्स कॉलेजों (लखनऊ, गोरखपुर और सैफई) की शैक्षिक एवं खेल उपलब्धियों की समीक्षा की गई। लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य अतुल सिन्हा ने पदक प्राप्त करने वाले छात्र खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप शुल्क माफी देने का प्रस्ताव रखा। इस पर निर्णय लिया गया कि मान्यता प्राप्त खेल संघों या स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए नियम बनाकर शुल्क माफी दी जाएगी।बैठक में निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर, सहारनपुर और बलिया के प्रधानाचार्यों से कॉलेज संचालन के लिए संभावित खेलों के बारे में जानकारी ली गई। फतेहपुर के प्रधानाचार्य ने बताया कि वहां एथलेटिक्स ट्रैक और हॉकी टर्फ मैदान तैयार हैं तथा मल्टीपरपज हॉल का प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। छात्रों के लिए 250 बेड का हॉस्टल भी निर्मित है, इसलिए एथलेटिक्स और हॉकी में खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जा सकता है।सहारनपुर के प्रधानाचार्य ने जानकारी दी कि वहां एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी टर्फ और मल्टीपरपज हॉल तैयार हैं तथा 250 बेड का हॉस्टल भी बन चुका है। यहां हॉकी, एथलेटिक्स और जिम्नास्टिक, जूडो जैसे इनडोर खेल संचालित किए जा सकते हैं। इस पर सचिव खेल ने तीनों कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया कि उपलब्ध खेल अवसंरचना के आधार पर संचालन योग्य खेलों का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें।बैठक में यह भी बताया गया कि प्रदेश सरकार की योजना भारत सरकार की साई की एनसीओई योजना की तर्ज पर स्पोर्ट्स कॉलेजों को खेल उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की है, ताकि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके।इसके अलावा बालिकाओं में खेलों के प्रति बढ़ते रुझान को देखते हुए एक अलग स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। सचिव खेल ने निर्देश दिया कि बैठक में लिए गए निर्णयों को शीघ्र धरातल पर उतारा जाए।बैठक के समापन पर अध्यक्ष गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप खेलों को बढ़ावा देने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

पयागपुर में 'प्रशस्त ऐप' के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की होगी स्क्रीनिंग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह तथा खंड शिक्षा अधिकारी डॉली मिश्रा के आदेशानुपालन में, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा लाल जी दूबे व जय वीर सिंह के निर्देशन में विकास क्षेत्र पयागपुर में शिक्षकों को प्रशस्त ऐप डाउनलोड कराने का अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत स्पेशल एजुकेटर राजेश कुमार पटेल और आरती सिंह द्वारा क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशस्त ऐप डाउनलोड कराया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरा कमाल शिवदहा में समस्त स्टाफ को ऐप डाउनलोड कराया गया।स्पेशल एजुकेटरों ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। स्क्रीनिंग के दौरान चिन्हित बच्चों का नामांकन, प्रमाण पत्र बनवाने तथा उनसे संबंधित सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई जाएगी।उन्होंने बताया कि विकास क्षेत्र पयागपुर के 167 विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में प्रशस्त ऐप डाउनलोड कराने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय पडेरा, कलहावापुर तथा पिपरा कमाल शिवदहा में भी शिक्षकों को ऐप डाउनलोड कराया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र सहित सहायक शिक्षक दिनेश कुमार, महिमा दुबे, नम्रता सिंह, रत्ना सिंह, प्रतिभा, अनीता सिंह, अमित चाहर, राम निवास साहनी, वीरेंद्र प्रताप पाण्डेय और बड़कऊ पाण्डेय पटिहाट सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं के लिए क्रायोवैसल खरीद को 9.34 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पशु एवं भैंस विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तर पर कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को तरल नत्रजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्रायोवैसल के क्रय और स्थापना हेतु चालू वित्तीय वर्ष में 9 करोड़ 34 लाख 80 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।पशुधन विभाग की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। निदेशक प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग ने योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं।आदेश में कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण और व्यय अनुमोदित कार्ययोजना तथा योजना के लिए निर्धारित गाइडलाइंस का पूर्ण पालन करते हुए किया जाएगा। साथ ही व्यय विवरण के साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।शासनादेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उसी मद और प्रयोजन के लिए किया जाएगा, जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने तथा पशुधन विकास को बढ़ावा देने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

एसआई भर्ती परीक्षा में बसों से मुफ्त यात्रा की खबर भ्रामकः परिवहन निगम

लखनऊ। उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती–2025 की 14 और 15 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा के दौरान परिवहन निगम की बसों में एडमिट कार्ड दिखाकर निःशुल्क यात्रा करने संबंधी सूचना सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही है, जिसे परिवहन निगम ने पूरी तरह असत्य और भ्रामक बताया है।इस संबंध में प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने स्पष्ट किया कि निगम मुख्यालय स्तर से उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती–2025 के अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड दिखाकर बसों में निःशुल्क यात्रा की अनुमति देने संबंधी कोई कार्यालय आदेश जारी नहीं किया गया है।उन्होंने सभी क्षेत्रीय और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर प्रसारित इस भ्रामक सूचना का खंडन करते हुए बस अड्डों पर हेल्प डेस्क के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए, ताकि अभ्यर्थियों में निःशुल्क यात्रा को लेकर किसी प्रकार का भ्रम न रहे।साथ ही सभी चालकों और परिचालकों को भी वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे मार्ग में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

आईटी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने लखनऊ में आईबीएम गवटेक लैब्स का किया दौरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने लखनऊ स्थित आईबीएम गवटेक लैब्स का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों का अवलोकन किया और यह समझने का प्रयास किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तथा आईटी ऑटोमेशन जैसी उभरती तकनीकों का उपयोग कर राज्य सरकार की कल्याणकारी और प्रशासनिक योजनाओं की डिलीवरी को किस प्रकार और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।दौरे के दौरान मंत्री के साथ तकनीकी सलाहकार अनुज गौर भी मौजूद रहे। मंत्री ने विशेष रूप से इस बात में रुचि दिखाई कि आईबीएम की गवटेक लैब्स राज्य के विद्यार्थियों को एआई और अन्य उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में कौशल विकास प्रदान करने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।आईबीएम गवटेक लैब्स के निदेशक अनुज गुप्ता ने मंत्री और प्रतिनिधिमंडल को विभिन्न अत्याधुनिक आईटी अनुप्रयोगों के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया। इनमें वायु प्रदूषण निगरानी, स्वचालित कार्यप्रवाह सहित कई तकनीकी समाधान शामिल थे, जो भविष्य में शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने में सहायक हो सकते हैं।कार्यक्रम की मेजबानी आईबीएम के डेटा एवं एआई बिजनेस हेड इंदरदीप ढिल्लों ने की। इस अवसर पर मंत्री ने आईबीएम की अत्याधुनिक सुविधाओं का भी अवलोकन किया और कंपनी के कर्मचारियों से संवाद किया। उल्लेखनीय है कि यहां कार्यरत अधिकांश कर्मचारी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से हैं।आईबीएम गवटेक लैब्स में वर्तमान में 200 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और आने वाले वर्षों में यहां रोजगार के और अधिक अवसर सृजित करने की योजना है। मंत्री ने इस पहल को राज्य के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश में तकनीकी नवाचार, कौशल विकास और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।

राष्ट्रीय सम्मेलन में यूपी की महिला प्रधानों ने बढ़ाया प्रदेश का मान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महिला पंचायत प्रतिनिधि ग्राम विकास और सुशासन की मजबूत आधारशिला बनकर उभर रही हैं। पंचायतों में महिलाओं का नेतृत्व ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के साथ सामाजिक परिवर्तन और जनभागीदारी का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इसी क्रम में पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में "सशक्त पंचायत नेत्री अभियान" के तहत निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश की महिला प्रधानों ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से प्रदेश का मान बढ़ाया।इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश से 135 महिला प्रधानों ने भाग लेकर पंचायतों में महिला नेतृत्व की प्रभावशाली भूमिका को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। इसके अलावा प्रदेश से 10 अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला प्रतिनिधियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। "बीकन पंचायत" श्रेणी में ग्राम पंचायत राजपुर (हाथरस) की प्रियंका तिवारी, ग्राम पंचायत भरतपुर (अलीगढ़) की नीलम देवी, ग्राम पंचायत फौलादपुर (अमरोहा) की मनु यादव, ग्राम पंचायत रोरी (गाजियाबाद) की पूनम सिंह तथा ग्राम पंचायत छिपाई (ललितपुर) की नीलमणि राजे बुंदेला को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।इसी प्रकार "चौंपियन ऑफ चेंज" श्रेणी में ग्राम पंचायत तिलसड़ा (कानपुर नगर) की सुलेखा कुशवाहा और ग्राम पंचायत मखादुमपुर (अमरोहा) की मधु चौधरी को सम्मान प्राप्त हुआ। वहीं "महिला हितैषी ग्राम पंचायत" श्रेणी में ग्राम पंचायत सींगनखेड़ा (रामपुर) की रूपाली लोधी, ग्राम पंचायत सुजानपुर (फतेहपुर) की हेमलता पटेल, ग्राम पंचायत अल्हैया (बरेली) की कृष्णा गंगवार, ग्राम पंचायत पाला (कन्नौज) की अनामिका सिंह तथा ग्राम पंचायत थावर (लखनऊ) की माधुरी सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।यह उपलब्धि न केवल संबंधित ग्राम पंचायतों के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए भी प्रेरणादायक मानी जा रही है। इन महिला प्रधानों ने अपने नेतृत्व, नवाचार और जनसेवा के माध्यम से यह साबित किया है कि महिला सशक्तिकरण के जरिए ग्रामीण विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि पंचायतों में महिला जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ग्रामीण विकास को नई गति दे रही है। उन्होंने प्रदेश का नाम रोशन करने वाली सभी महिला प्रधानों को बधाई देते हुए कहा कि उनका समर्पण और नेतृत्व गांवों के समग्र विकास को और सशक्त बनाएगा।पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय सम्मेलन महिला जनप्रतिनिधियों को अपने अनुभव साझा करने और एक–दूसरे से सीखने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। इससे पंचायत स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास को गति देने में मदद मिलती है।

लखनऊ नगर निगम के जोन–3 में अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर और वरिष्ठ नागरिक लाइब्रेरी का उद्घाटन

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने नगर निगम लखनऊ के जोन–3 में नव निर्मित कार्यालय भवन, अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी और योगा सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सुविधा आधुनिक नगर प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी।अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के साथ लगभग 50 से 60 देशों की यात्रा करने का अवसर मिला है और विकसित देशों की व्यवस्थाओं को देखने के बाद वह पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि लखनऊ में विकसित की गई यह सुविधा दुनिया की बेहतरीन व्यवस्थाओं के समकक्ष है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसके लिए शहरों में आधुनिक नागरिक सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। नगर निगम द्वारा स्थापित यह अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित सुविधाएं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे प्रशासनिक सेवाएं बेहतर होंगी और नागरिकों को सम्मानजनक वातावरण में सुविधाएं मिल सकेंगी।मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में प्रशासन से जनता की अपेक्षाएं काफी बढ़ गई हैं। टेक्नोलॉजी के विकास के साथ लोग जन्म प्रमाण पत्र, विभिन्न प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी सेवाएं समयबद्ध तरीके से प्राप्त करना चाहते हैं। यदि इन सेवाओं में अनावश्यक विलंब होता है तो इससे असंतोष और शिकायतें बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान करना सरकार और प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है।उन्होंने बताया कि लंबे समय से उनकी इच्छा थी कि नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों को आधुनिक नागरिक सेवा केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए, जहां नागरिक अपने दस्तावेजों के साथ आएं तो उन्हें सम्मानजनक वातावरण में बैठने की सुविधा मिले और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। इस नई व्यवस्था में बेहतर काउंटर व्यवस्था, प्रतीक्षालय और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।मंत्री ने नगर निगम द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए तैयार की गई विशेष सुविधाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए लाइब्रेरी, योगा सेंटर, जिम, कैफेटेरिया और बैठने की आधुनिक व्यवस्था की गई है, जो उनके स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणादायी मॉडल बन सकती है।इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, नगर आयुक्त गौरव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में फलाहिरी बाबा मंदिर और देवी धाम पचदेवा का होगा पर्यटन विकास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग ने प्रयागराज में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू करने की तैयारी कर ली है। करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर और सोरांव तहसील के दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 3.46 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। इससे इन आस्था स्थलों को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थ नगरी प्रयागराज देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण केंद्र है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग लोकप्रिय तीर्थस्थलों के साथ–साथ कम प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के समग्र विकास पर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

इसी क्रम में करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 1.64 करोड़ रुपये से अधिक तथा सोरांव तहसील स्थित दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के सौंदर्यीकरण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए लगभग 1.82 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।परियोजना के तहत फलाहिरी बाबा मंदिर के विकास के लिए 40 लाख रुपये और सोरांव तहसील स्थित दुर्गा मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 45 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इसके साथ ही आधुनिक लाइटिंग, भव्य प्रवेश द्वार, श्रद्धालुओं के लिए यात्री शेड, स्टाम्प फ्लोरिंग युक्त मार्ग, बैठने के लिए बेंच, स्वच्छ शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, डस्टबिन, साइनेज और म्यूरल आर्ट जैसे कार्य कराए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।मंत्री ने कहा कि प्रयागराज धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संगम नगरी सदियों से आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र रही है और यह क्षेत्र प्रयागराज, अयोध्या और काशी के आध्यात्मिक त्रिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभाग का प्रयास है कि लोकप्रिय स्थलों के साथ–साथ कम चर्चित या अल्पज्ञात धार्मिक स्थलों का भी समग्र विकास सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में लगभग 69 करोड़ आगंतुकों ने प्रयागराज जनपद का भ्रमण किया। वहीं माघ मेला 2026 के भव्य आयोजन में भी करीब 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जो जिले में बढ़ते धार्मिक पर्यटन की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पीएम सूर्य घर और पीएम कुसुम योजना के विस्तार के लिए यूपीनेडा की बैंकर्स के साथ बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के निदेशक इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स और विभिन्न वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य पीएम सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना के दायरे को प्रदेश में व्यापक स्तर पर बढ़ाना था।बैठक में निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बैंकर्स से आह्वान करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने में बैंकिंग क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बैंकर्स के सहयोग से प्रदेश में घर–घर सौर ऊर्जा का विस्तार किया जा सकेगा, जिससे आम नागरिकों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही पीएम कुसुम योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति संभव होगी।उन्होंने बताया कि घरेलू सोलर रूफटॉप स्थापना के मामले में उत्तर प्रदेश वर्तमान में देश में तीसरे स्थान पर है, जबकि पिछले आठ महीनों से प्रदेश लगातार राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष दो राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है।बैठक में राज्य स्तरीय बैंक समिति की प्रतिनिधि निधि और संजीव द्विवेदी सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा आरईसी के अनिल यादव, बैंक ऑफ इंडिया के संजीव कुमार तथा अन्य बैंकिंग संस्थानों के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।बैठक के दौरान योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाने और अधिक से अधिक उपभोक्ताओं व किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्नाव में क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों के पुनर्निर्माण के लिए 1.65 करोड़ रुपये जारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने जनपद उन्नाव में उन्नाव प्रणाली शाखा के अंतर्गत क्षतिग्रस्त पुल–पुलियों के पुनर्निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रुपये की अवशेष धनराशि अवमुक्त कर दी है। इस संबंध में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है।जारी शासनादेश में निर्देश दिया गया है कि परियोजना के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संबंधित मुख्य अभियंता को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य समय पर पूरा कराया जा सके।

कुशीनगर राजवाहा पुनर्स्थापना परियोजना के लिए 80 लाख रुपये की धनराशि जारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने जनपद कुशीनगर में कुशीनगर राजवाहा के किमी 0.00 से 16.100 तक पुनर्स्थापना और नहरी भूमि सीमांकन परियोजना के लिए 80 लाख रुपये की अवशेष धनराशि अवमुक्त कर दी है। इस संबंध में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है।जारी शासनादेश में निर्देश दिया गया है कि परियोजना के अंतर्गत कराए जाने वाले सभी कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए। इसके लिए संबंधित मुख्य अभियंता को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि कार्य मानकों के अनुरूप और समय पर संपन्न हो सके।

पशु रोग अनुसंधान और निदान सेवाओं के विस्तार के लिए 75 लाख रुपये स्वीकृत

लखनऊ। प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और पशु स्वास्थ्य के अंतर्गत पशु रोग अनुसंधान, निदान तथा सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 75 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है।जारी शासनादेश में निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र को निर्देश दिया गया है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण और व्यय अनुमोदित कार्ययोजना तथा निर्धारित मदों के अनुसार किया जाए। साथ ही योजना के लिए निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और व्यय का पूरा विवरण प्रस्तुत करते हुए उपयोगिता प्रमाण–पत्र भी उपलब्ध कराया जाए।शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उसी मद और उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे मंडे भी मचाया गदर, 11 दिनों में 17 फीसदी से ज्यादा कमा डाला प्रॉफिट?

श्द केरल स्टोरी 2च यह साबित कर रही है कि रेलिवेंट कंटेंट कभी निराश नहीं करते! अपने कॉनट्रोवर्शियल सब्जेक्ट के बावजूद ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार परफॉर्म कर रही है. उल्का गुप्ता स्टारर इस सोशल ड्रामा ने अपने पहले 10 दिनों में शानदार परफॉर्म करते हुए न केवल अपनी पूरी लागत वसूल कर ली है बल्कि अब ये प्रॉफिट भी कमा रही है. इसी के साथ जान लेते हैं कि इस फिल्म ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे मंडे को कितना कलेक्शन किया है?

श्द केरल स्टोरी 2च बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है. हालांकि कानूनी मुश्किलों से निकलने के बाद ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने महज 75 लाख से खाता खोला था. हालांकि इसके बाद दूसरे दिन से इस फिल्म ने रफ्तार बढ़ाई और पहले हफ्ते में इसका कलेक्शन 22.34 करोड़ रुपये रहा. इसके बाद इस फिल्म ने 8वें दिन 2.7 करोड़ कमाए. फिर 9वें दिन फिल्म का कलेक्शन 3.75 करोड़ रुपये रहा और 10वें दिन की कमाई 3.3 करोड़ रुपये रही. वहीं अब दूसरे मंडे को यानी 11वें दिन इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की जा रही है.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्द केरल स्टोरी 2च ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे मंडे को 1.85 करोड़ रुपये कमाए हैं.

इसी के साथ इस फिल्म की 11 दिनों की कुल नेट कमाई 34.70 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं श्द केरल स्टोरी 2च का भारत में 11 दिनों का ग्रॉस कलेक्शन 40.61 करोड़ रुपये हो गया है. 28 करोड़ के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत वसूल कर ली है और निर्माताओं को मुनाफा देना शुरू कर दिया है. फिलहाल, इसने 17 फीसदी से ज्यादा मुनाफा कमा लियाया है और 2026 में बॉलीवुड की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्म बन गई है. वहीं अब इसे बॉर्डर 2 के 31.5त्न मुनाफे को पछाड़कर आगे निकलने के लिए कुल 36.82 करोड़ रुपये कमाने होंगे. फिलहाल, यह अपने लक्ष्य से लगभग 3 करोड़ रुपये पीछे है. उम्मीद है कि मंगलवार तक फिल्म ये उपलब्धि भी हासिल कर लेगी.

भावना अजवानी ने मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा को कहा अलविदा

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा अपने ड्रामाटिक ट्विस्ट और इमोशनल स्टोरीलाइन से दर्शकों को बांधे हुए है। शो के मेकर्स ने हाल ही में एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें आने वाले एपिसोड में एक बड़े डेवलपमेंट के बारे में बताया गया

है। प्रोमो में दिखाया गया है कि शो जल्द ही एक साल का लीप लेगा, जिससे कहानी में एक नया फेज आएगा। प्रथाना की अचानक मौत के बाद, अनुपमा गोवा में एक नया सफर शुरू करेगी। यह लीप कहानी में एक टर्निंग पॉइंट लाएगा क्योंकि सेंट्रल कैरेक्टर एक मुश्किल दौर का सामना करने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ता है। नई सेटिंग और ट्रैक से कहानी में नए डेवलपमेंट आने की उम्मीद है। आने वाले लीप से शो की कास्ट में भी बदलाव आएगा। कहानी आगे बढ़ने पर एक कैरेक्टर की जगह कोई और ले लेगा। प्रेरणा, जिसे पहले भावना अजवानी ने निभाया था। वह शो से बाहर हो जाएगी।

प्रेरणा का कैरेक्टर दिसंबर 2025 में अनुपमा में आया और जल्द ही स्टोरीलाइन का एक अहम हिस्सा बन गया। उनके रोल को एक नए कैरेक्टर के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया, जिसने प्रेम और राही के बीच टेंशन पैदा की। शो में प्रेरणा को विलेन के किरदार में दिखाया गया था। उसकी मौजूदगी ने प्रेम और राही के रिश्ते में मुश्किलें बढ़ा दी थीं, जिसे कहानी में नया मोड़ देखे को मिला था। मार्च 2026 की स्टोरीलाइन में दिखाया गया कि प्रेरणा प्रेम से प्यार करने लगती है, जिसे प्रेम और राही की शादीशुदा जिंदगी में हलचल मच जाती है।

आने वाले एक साल के लीप और कास्ट में बदलाव के साथ मेकर्स अनुपमा की कहानी को एक नई दिशा में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। गोवा में शिफ्ट होने और नए डेवलपमेंट की शुरुआत से आगे के एपिसोड में नए ट्विस्ट आने की उम्मीद है। बता दें कि प्रेरणा का किरदार पहले भावना अजवानी ने निभाया था।

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 का नया दमदार पोस्टर जारी, ईश्वर के प्रकोप का दिया संकेत, फैंस हुए उत्साहित

निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म धुरंधररू द रिवेंज (ध्रुरंधर 2) का नया पोस्टर जारी करके फैंस को उत्साहित कर दिया है। यह पोस्टर 19 मार्च 2026 से पहले जारी किया गया है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फैंस पोस्टर में रणवीर सिंह के दोनों लुक को लेकर काफी उत्सुक हैं।

धुरंधर 2 के नए पोस्टर में रणवीर सिंह दो अलग–अलग किरदारों में दिख रहे हैं– जसकिरत सिंह रंगी और हमजा अली मजारी। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, ईश्वर का प्रकोप आ रहा है। फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं।

फैंस धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के लुक को देखकर बहुत खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग तारीफ कर रहे हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस पोस्टर और फिल्म को लेकर अपनी राय पेश कर रहे हैं। धुरंधररू द रिवेंज 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। यह हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में दुनिया भर के सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। ट्रेलर 7 मार्च को रिलीज हुआ था। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह फिल्म पहले भाग से ज्यादा बड़ा, रहस्यमयी और एक्शन से भरी होगी। कहानी में रणवीर सिंह एक गुप्त भारतीय जासूस की भूमिका में हैं, जो पाकिस्तान के खतरनाक अपराधियों और राजनीतिक गिरोहों में घुसकर भारत पर हमले रोकते हैं। यह कहानी असली घटनाओं से प्रेरित है। दूसरे भाग में कहानी आगे बढ़ती है, जिसमें ज्यादा ड्रामा और धमाकेदार एक्शन है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी, गौरव गेरा और दानिश पंडोर जैसे कलाकार हैं।

गोपीचंद की 33वीं फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री, नया पोस्टर भी जारी, निभाएंगी सत्यवती का किरदार

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है।

अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं

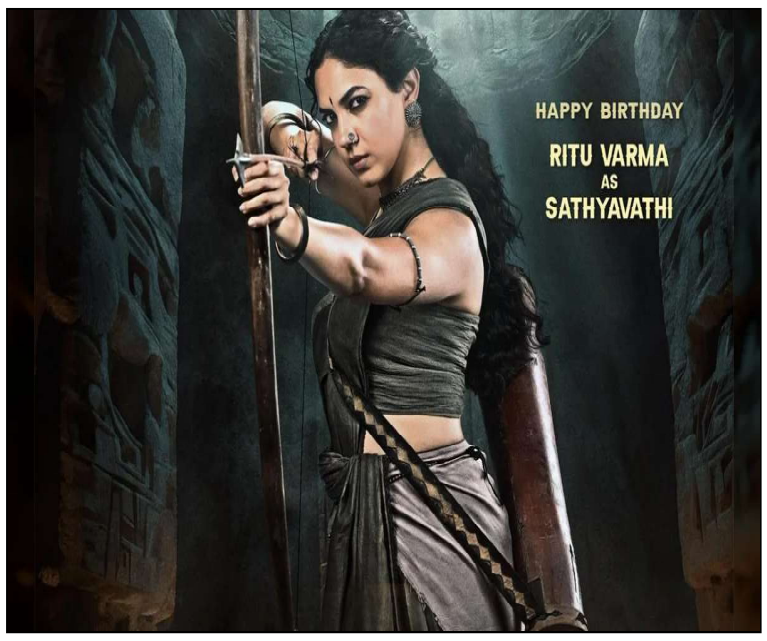

ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति। इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु सत्यावती का किरदार निभाएंगी।

सत्यवती नाम की एक आदिवासी लड़की की भूमिका में ऋतु को लुक काफी दमदार दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर से पता चल रहा है कि इस फिल्म में उनका किरदार दमदार और प्रभावशाली होगा। गोपीचंद 33 एक बड़ी बजट की तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संकल्प रेड्डी कर रहे हैं। यह फिल्म 7वीं शताब्दी की एक कम ज्ञात ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जिसमें गोपीचंद एक योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीनिवासा सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत बन रही इस फिल्म का पहला शेड्यूल कश्मीर में पूरा हो चुका है।

गर्मियों में वजन घटाने में मदद कर सकते हैं ये 5 तरह के सलाद, जानिए रेसिपी

गर्मियों में बढ़ते वजन को कम करने के लिए खान–पान का खास ख्याल रखना जरूरी है। इसके लिए खान–पान में पोषक तत्वों से भरपूर और कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। इस दौरान सलाद का सेवन करना भी एक अच्छा विकल्प है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे सलाद की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन गर्मियों में वजन घटाने के साथ–साथ ताजगी प्रदान करने में मदद कर सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

सबसे पहले खीरे को धोकर छील लें, फिर इसे पतले–पतले टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस सलाद को ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें और जब ये ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके शरीर को ताजगी और ठंडक देता है।

ककड़ी का सलादः सबसे पहले ककड़ी को पतले–पतले टुकड़ों में काटें, फिर इसे एक कटोरे में बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियों, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस मिलाकर खा सकते हैं। आप चाहें तो इसमें थोड़ी सी कटी हुई हरी मिर्च और अदरक भी मिला सकते हैं। यह सलाद न केवल ताजगी प्रदान कर सकता है, बल्कि आपके शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकता है।

खीरे और अनानास का सलादः सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई खीरे, अनानास के टुकड़े, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके स्वाद को बढ़ाने के साथ–साथ पोषण भी देता है।

ककड़ी और अनार का सलाद

सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई ककड़ी, अनार के दाने, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता या बादाम डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है।

चना और पुदीने का सलादः सबसे पहले चने को रातभर पानी में भिगोकर छोड़ दें, फिर अगली सुबह इसे छानकर उबाल लें। अब एक कटोरे में उबले हुए चने, बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और खीरे डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इसमें स्वादानुसार काला नमक, भुना जीरा पाउडर और नींबू का रस मिलाएं। अंत में ऊपर से अनार के दाने डालकर सलाद को परोसें। यह सलाद स्वाद और सेहत का अच्छा मेल है।